घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 31- सोमवार 01- दिसम्बर 2025,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये ,www.ghatati-ghatana.com,RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2023-2025

SIR की डेडलाइन 7 दिन बढ़ाई गई

12 राज्यों में वोटर वेरिफिकेशन 11 दिसंबर तक चलेगा

नई दिल्ली,30 नवम्बर 2025। चुनाव आयोग ने 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में चल रहे स्पेशल इंटेंसिव रिविजन की समय सीमा एक सप्ताह बढ़ा दी है। आयोग ने रविवार को कहा कि अब अंतिम मतदाता सूची 14 फरवरी 2026 को प्रकाशित की जाएगी। मतदाता जोड़ने-हटाने का एन्यूमरेशन पीरियड यानी वोटर वेरिफिकेशन अब 11 दिसंबर तक चलेगा, जो पहले 4 दिसंबर तक तय था। वहीं, पहले ड्राफ्ट लिस्ट 9 दिसंबर को जारी होनी थी, लेकिन अब इसे 16 दिसंबर को जारी किया जाएगा। दरअसल बिहार के बाद देश के 12 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में एसआईआर 28 अक्टूबर से शुरू हुआ है। इस प्रोसेस में वोटर लिस्ट का अपडेशन होगा। नए वोटरों के नाम जोड़े जाएंगे और वोटर लिस्ट में सामने आने वाली गलतियों को सुधारा जाएगा।

99.53% फॉर्म लोगों तक पहुंचे

चुनाव आयोग ने अपनी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि 51 करोड़ मतदाताओं के लिए बनाए गए गणना फॉर्म में से 99.53% फॉर्म लोगों तक पहुंचा दिए गए हैं। इनमें से लगभग 79% फॉर्म का डिजिटलीकरण भी पूरा हो चुका है। यानी यानी घर-घर से बीएलओ जो फॉर्म भरकर लाते हैं, उनमें लिखे नाम, पते और अन्य विवरण को ऑनलाइन सिस्टम में दर्ज किए जा चुके हैं।

कांग्रेस का आरोप-एसआईआर प्रक्रिया में बीएलओ की मौत मर्डर है...

एसआईआर प्रक्रिया को लेकर लगातार विपक्ष हमलावर हैं। कांग्रेस ने प्रक्रिया के दौरान काम के दबाव के चलते जान गंवाने वाले बीएलओ की मौत को मर्डर बताया था। कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा था कि 20 दिनों में 26 बीएलओ की मौत दिनदहाड़े मर्डर जैसी है। सुप्रिया ने गोंडा के बीएलओ विपिन यादव का जिक्र करते हुए कहा कि उनके परिवार ने बताया है कि उन पर वोटर लिस्ट से पिछड़े वर्ग के लोगों के नाम हटाने का दबाव था। सुप्रिया ने कहा था कि यह कोई कहानी नहीं बल्कि देश के सामने एक कड़वा सच है। इतनी जल्दी क्या है? थोड़ा समय लेकर एसआईआर करवाओ। एसआईआर का मामला कोई छोटा मामला नहीं है। यह वोट चोरी का सबसे ताकतवर तरीका है, और इसीलिए इसका इतने खुलेआम इस्तेमाल किया जा रहा है।

चुनाव आयोग का ऐलान बीएलओ को मिलेगी डबल सैलरी

चुनाव आयोग ने बूथ लेवल ऑफिसर्स की सैलरी 6000 से बढ़ाकर 12000 रुपए सालाना कर दी है। इसके अलावा वोटर रोल तैयार करने और उनमें बदलाव करने वाले बीएलओ सुपरवाइजर की सैलरी भी 12000 से बढ़ाकर 18000 रुपए कर दी गई है। जिस सरकारी कर्मचारी को बीएलओ का काम दिया गया है उसे यह पैसा उसकी सैलरी के अलावा अलग से दिया जाता है। आयोग ने जारी एक रिलीज में कहा कि पिछला ऐसा बदलाव 2015 में किया गया था। पहली बार इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर्स और असिस्टेंट इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर्स को भी मानदेय दिया जाएगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक देश के 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में चल रही मौजूदा एसआईआर प्रक्रिया में कुल 5 .32 लाख बीएलओ काम कर रहे हैं। हर एक बीएलओ के पास करीब 956 वोटर्स के लिस्ट रिवीजन का काम है।

आयोग बोला- एसआईआर के लिए स्पेशल इंसेंटिव भी मिलेगा

चुनाव आयोग ने लिखा है...प्योर इलेक्टोरल रोल डेमोक्रेसी की नींव हैं। इलेक्टोरल रोल मशीनरी, जिसमें इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर , असिस्टेंट इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर,बीएलओ सुपरवाइजर और बूथ लेवल ऑफिसर शामिल हैं। ये सभी बहुत मेहनत करते हैं और बिना किसी भेदभाव के और ट्रांसपेरेंट इलेक्टोरल रोल तैयार करने में अहम भूमिका निभाते हैं। इसलिए कमीशन ने बीएलओ की सालाना सैलरी दोगुनी करने और इलेक्टोरल रोल तैयार करने और उनमें बदलाव करने वाले बीएलओ सुपरवाइजर की सैलरी बढ़ाने का फैसला किया है। आयोग ने लिखा कि कमीशन ने बिहार से शुरू होने वाले स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) के लिए बीएलओ के लिए 6,000 रुपए के स्पेशल इंसेंटिव को भी मंजूरी दी है।

आज से शुरू होगा संसद का शीतकालीन सत्र

SIR के मुद्दे पर सरकार को घेरेगा विपक्ष

नई दिल्ली,30 नवम्बर 2025। संसद का शीतकालीन सत्र आज से शुरू हो रहा है। शीतकालीन सत्र 19 दिसंबर तक चलेगा। एक तरफ जहां सरकार इस दौरान सरकार परमाणु ऊर्जा क्षेत्र, उच्च शिक्षा ढांचा सुधार और कॉरपोरेट/शेयर बाजार विनियम समेत 10 महत्त्वपूर्ण विधेयक रखने जा रही है। वहीं,दूसरी ओर विपक्ष एसआईआर के मुद्दे पर सरकार को घेरने की तैयारियों में है। दरअसल,सोमवार से शुरू हो रहे संसद के शीतकालीन सत्र में सरकार असैन्य परमाणु क्षेत्र को निजी कंपनियों के लिए खोलने संबंधी विधेयक के साथ अपने सुधार एजेंडे को आगे बढ़ाएगी। वहीं, विपक्ष द्वारा राष्ट्रीय राजधानी में वायु प्रदूषण के मुद्दे के अलावा 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर के मुद्दे पर सरकार को घेरने की संभावना है। संसद के शीतकालीन सत्र के शुरू होने से ठीक एक दिन पहले रविवार को सर्वदलीय बैठक बुलाई गई। इस बैठक में दोनों सदनों के विधायी कार्यों और विभिन्न विषयों को लेकर चर्चा की गई। सर्वदलीय बैठक में सरकार की ओर से क्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राज्यसभा में सदन के नेता एवं स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू और संसदीय कार्य राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल शामिल हुए। वहीं, विपक्ष की ओर से कांग्रेस के प्रमोद तिवारी, कोडिकुनिल सुरेश, तृणमूल कांग्रेस के नेता डेरेक ओब्रायन, समावादी पार्टी के अखिलेश यादव, द्रमुक के तिरुचित शिवा और कई अन्य दलों के नेता शामिल हुए।

विपक्ष ने वोट चोरी को बताया अहम मुद्दा

बता दें कि सर्वदलीय बैठक से पहले कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने कहा कि सत्र के दौरान विपक्ष निर्वाचन आयोग के साथ 'मिलीभगत' से सत्तारूढ़ भाजपा द्वारा कथित तौर पर 'वोट चोरी' किए जाने का मुद्दा उठाएगा। उन्होंने कहा कि जब लोकतंत्र की हत्या की जा रही हो और सिर्फ 'वोट चोरी' नहीं, बल्कि 'वोट डकैती' की जा रही हो, तो यह एक मुद्दा अहम होगा।

10 विधेयक लेंगे पेश

संसद के शीतकालीन सत्र में परमाणु ऊर्जा विधेयक-2025 के साथ 9 नए बिल पेश होने हैं। इनमें भारतीय उच्च शिक्षा आयोग,राष्ट्रीय राजमार्ग (संशोधन), कॉर्पोरेट कानून संशोधन,प्रतिभूति बाजार संहिता-2025 और मध्यस्थता कानून में बदलाव प्रमुख हैं। सत्र में 15 बैठकें होंगी और 19 दिसंबर को समाप्त होगा।

नेशनल हेराल्ड केस में सोनिया-राहुल के खिलाफ दर्ज हुई नई एफआईआर,बढ़ेंगी मुश्किलें

नई दिल्ली,30 नवम्बर 2025। दिल्ली पुलिस की इकोनॉमिक ऑफेंस विंग (ईओडब्ल्यू) ने कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ नई एफआईआर दर्ज की है। यह मामला एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड को कथित धोखाधड़ी और आपराधिक साजिश से हड़पने का है। एफआईआर में सोनिया और राहुल के साथ-साथ सैम पित्रोदा,यंग इंडियन प्राइवेट लिमिटेड, एजेएल और कोलकाता की कथित शेल कंपनी डोटेक्स मर्चेंडाइज प्राइवेट लिमिटेड सहित कुल आठ नाम शामिल हैं। आरोप है कि यंग इंडियन (जिसमें गांधी परिवार की 76 प्रतिशत हिस्सेदारी है) ने मात्र 50 लाख रुपये में एजेएल को अपने कब्जे में ले लिया, जबकि एजेएल की संपत्ति करीब 2,000 करोड़ रुपये की है। शिकायत के अनुसार, डोटेक्स ने यंग इंडियन को 1 करोड़ रुपये दिए,जिनसे कांग्रेस को 50 लाख चुकाकर एजेएल की पूरी हिस्सेदारी हासिल कर ली गई। कांग्रेस ने एफआईआर को पूरी तरह राजनीतिक प्रतिशोध बताया। पार्टी प्रवक्ता ने कहा, हमें इस एफआईआर की कोई जानकारी नहीं है। यह मोदी सरकार की एजेंसियों का दुरुपयोग है। पहले भी सभी आरोप अदालत में खारिज हो चुके हैं। जब दिल्ली पुलिस की ओर से एफआईआर दर्ज किए जाने पर कांग्रेस से प्रतिक्रिया मांगी गई,तो पार्टी ने कहा कि उन्हें इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि यह केस राजनीतिक बदले की कार्रवाई है और ईडी-ईओडब्ल्यू जैसी एजेंसियां सरकार के दबाव में काम कर रही हैं।

मुख्यमंत्री ने अपने बेटे की शादी सामूहिक विवाह में रचाई

उज्जैन,30 नवम्बर 2025। सामूहिक विवाह में अक्सर निर्धन और मध्यम वर्ग के युवक-युवतियों का विवाह ही संपन्न होता रहा है। लेकिन, देशभर में एक उदाहरण पेश करते हुए मुख्यमंत्री मोहन यादव ने अपने बेटे अभिमन्यु की शादी सामूहिक विवाह में रचाई। महाकाल की नगरी उज्जैन में हुए सामूहिक विवाह समारोह में अनेक साधु,संत और प्रसिद्ध कथावाचक शामिल हुए और सभी जोड़ों को आशीर्वाद दिया। मुख्यमंत्री के पुत्र अभिमन्यु और बहू इशिता सांवराखेडी का विवाह उन युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत बन गया है,जो युवा विवाह में लाखों-करोड़ों रुपये फिजूलखर्च करते हैं। सामूहिक विवाह में 22 दूल्हों की बारात एक साथ निकली। घोड़ी बग्घियों पर सवार निकली बरात आकर्षण का केंद्र रही। सभी जोड़ें एक साथ विवाह मंडप में बैठे। खास बात यह रही कि मेहमानों से उपहार नहीं लाने की अपील की गई।

पाकिस्तान प्रायोजित आतंकी मॉड्यूल का खुलासा,तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली,30 नवम्बर 2025। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने एक अंतरराष्ट्रीय आतंकी मॉड्यूल का खुलासा करते हुए तीन आतंकवादियों को गिरफ्तार किया। स्पेशल सेल की जांच में सामने आया है कि यह नेटवर्क पाकिस्तान में बैठे शहजाद भट्टी के निर्देशन में काम कर रहा था, जो वहां की खुफिया एजेंसी के इशारे पर भारत में हमलों की साजिशें रच रहा था। स्पेशल सेल के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त प्रमोद कुमार कुशवाहा ने रविवार को पुलिस मुख्यालय में पत्रकार वार्ता कर बताया कि दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने एक मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है जिसे एक पाकिस्तानी नागरिक शहजाद भट्टी लीड कर रहा था। शहजाद भट्टी एक गैंगस्टर है जो अभी पाकिस्तान की इंटेलिजेंस एजेंसी के इशारे पर काम कर रहा है। उक्त मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उनमें से एक पंजाब का हरगुनप्रीत सिंह है। दूसरा विकास प्रजापति है जो मध्य प्रदेश के दतिया का है और तीसरा आरिफ है जो उत्तर प्रदेश के बिजनौर का रहने वाला है।

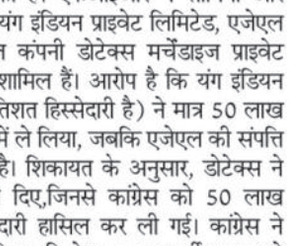

मन की बात का 128वां एपिसोड : पीएम मोदी ने महिला-ब्लाइंड महिला क्रिकेट टीम को वर्ल्ड कप जीतने की बधाई दी,कहा...नवंबर खेलों के लिए शानदार रहा...

नई दिल्ली,30 नवम्बर 2025। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात के 128वें एपिसोड में रविवार को भारत में खेलों की प्रगति, विंटर टूरिज्म, वोकल फॉर लोकल के साथ ही वाराणसी में होने वाले काशी-तमिल संगमम का जिक्र किया। पीएम ने कहा कि भारतीय खेलों के लिए यह महीना शानदार रहा। शुरुआत महिला टीम की आईसीसी महिला वर्ल्ड कप जीत से हुई। भारत को कॉमनवेल्थ खेलों की मेजबानी का भी ऐलान हुआ। टोक्यो में हुए डेफ ओलिंपिक्स में भारत ने रिकॉर्ड 20 मेडल जीते। महिला कबड्डी टीम ने वर्ल्ड कप जीतकर इतिहास रचा और बॉक्सिंग कप में भी भारत ने 20 मेडल हासिल किए। पीएम मोदी ने बताया कि 26 नवंबर को 'संविधान दिवस' पर सेंट्रल हॉल में विशेष कार्यक्रम का आयोजन हुआ। वंदेमातरम् के 150 वर्ष होने पर पूरे देश में होने वाले कार्यक्रमों की शानदार शुरुआत हुई। 25 नवंबर को अयोध्या में राम मंदिर पर धर्मध्वजा का आरोहण हुआ। इसी दिन कुरुक्षेत्र के ज्योतिसर में पांचजन्य स्मारक का लोकार्पण हुआ।

स्थानीय उत्पाद अपनाने की अपील

पीएम ने कहा कि शहद के पीछे लोगों की मेहनत और प्रकृति का तालमेल छिपा होता है। जम्मू-कश्मीर का सफेद रामबन सुलाई शहद अब GI टैग मिलने के बाद देशभर में प्रसिद्ध हुआ है। कर्नाटक के पुत्तुर और तुमकुरु में संस्थाओं ने आधुनिक प्रोसेसिंग, पैकेजिंग और bee-boxes देकर किसानों की कमाई बढ़ाई है। नागालैंड में ऊँची चट्टानों से जोखिम भरा शहद संग्रह किया जाता है। देश में शहद उत्पादन अब डेढ़ लाख मीट्रिक टन पार कर चुका है और निर्यात तीन गुना बढ़ा है।

वोकल फॉर लोकल अपनाने की अपील

पीएम ने कहा कि वे हमेशा वोकल फॉर लोकल की बात करते हैं। जी-20 में भी उन्होंने यही भावना रखकर विदेशी नेताओं को भारतीय शिल्प के उपहार दिए। दक्षिण अफ्रीका को नटराज प्रतिमा,कनाडा को चांदी का अश्व,जापान को चांदी के बुद्ध,इटली को सिल्वर मिरर और ऑस्ट्रेलिया को ब्रास उरली। उन्होंने कहा कि देश अब स्वदेशी उत्पादों को अपना रहा है,दुकानदारों और युवाओं ने भी इसे अपनाया है। उन्होंने त्योहार और नए साल की खरीदारी में भी वोकल फॉर लोकल अपनाने की अपील की।

नौसेना तेजी से आत्मनिर्भर बन रही

पीएम ने कहा कि भारत की सुरक्षा मजबूत होने पर हर नागरिक गर्व महसूस करता है। हाल ही में आईएनएस माहे को नौसेना में शामिल किया गया। इसका स्वदेशी डिजाइन चर्चा में रहा और पुडुचेरी-मालाबार के लोग इसके नाम से खुश हुए, क्योंकि यह ऐतिहासिक जगह माहे पर आधारित है। इसके क्रेस्ट में उरुमी और कलारिपयट्टु की पारंपरिक तलवार जैसी झलक है। पीएम ने बताया कि नौसेना तेजी से आत्मनिर्भर बन रही है। 4 दिसंबर को नौसेना दिवस मनाया जाएगा।

उत्तराखंड में विंटर टूरिज्म बढ़ रहा

पीएम ने कहा कि सर्दियों के साथ ही विंटर टूरिज्म का मौसम भी शुरू हो गया है। कई देश स्कीइंग,स्नो-ट्रेकिंग और विंटर फेस्टिवल से बड़ी कमाई करते हैं। भारत में भी पहाड़, संस्कृति और एडवेंचर की पूरी क्षमता है। उत्तराखंड का विंटर टूरिज्म तेजी से लोकप्रिय हो रहा है,खासकर औली,मुनस्यारी,चोपटा और डेयारा।

साइक्लोन दितवाह से तमिलनाडु में 3 लोगों की मौत,149 जानवरों की जान गई,234 कच्चे घर टूटे,57000 हेक्टेयर खेती की जमीन डूबी

नई दिल्ली,30 नवम्बर 2025। साइक्लोन दितवाह के चलते बारिश से जुड़ी घटनाओं में तमिलनाडु में तीन लोगों की मौत हो गई। तूतीकोरिन और तंजावुर में रविवार को दीवार गिरने से दो लोगों की मौत हो गई। मयिलादुथुराई में करंट लगने से 20 साल के युवक की जान चली गई। राज्य सरकार में मंत्री के रामचंद्रन ने बताया कि तटीय इलाकों में 234 झोपड़ियों/कच्चे घरों को नुकसान पहुंचा है। इसके अलावा 149 जानवरों की मौत हो गई है। खेती के काम वाली करीब 57,000 हेक्टेयर जमीन पानी में डूब चुकी है। श्रीलंका में तबाही मचाने के बाद साइक्लोन दितवाह रविवार शाम को तमिलनाडु और पुडुचेरी के तटों से टकराएगा। मौसम विभाग ने कुड्डालोर, नागपट्टिनम, मयिलादुथुराई, विल्लुपुरम, चेंगलपट्टू समेत कई इलाकों में तेज हवाओं के साथ भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। NDRF और SDRF समेत 28 से ज्यादा डिजास्टर रिस्पॉन्स टीमों को तैनात किया गया है। इनके अलावा महाराष्ट्र और गुजरात के NDRF बेस से 10 टीमें चेन्नई पहुंची हैं।

भारत औपनिवेशिक 'मैकॉले मानसिकता' से मुक्त होकर वैश्विक नेतृत्व की ओर बढ़ रहा है : उपराष्ट्रपति

कुरुक्षेत्र,30 नवम्बर 2025। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि भारत अब औपनिवेशिक 'मैकॉले मानसिकता' को त्यागकर अपनी संस्कृति,परंपरा और मूल्यों पर आधारित शिक्षा व्यवस्था के साथ वैश्विक नेतृत्व की ओर तेजी से बढ़ रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 ने देश को इस परिवर्तनशील यात्रा पर नई दिशा दी है। उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) कुरुक्षेत्र के 20 वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि कुरुक्षेत्र की पवित्र भूमि यह संदेश देती है कि धर्म सदैव अधर्म पर विजय प्राप्त करता है। उन्होंने कहा कि दीक्षांत केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि वर्षों की साधना का परिणाम और नये दायित्वों की शुरुआत है। उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता, नवीकरणीय ऊर्जा, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, जैव-प्रौद्योगिकी, साइबर सुरक्षा और सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों में हो रहे वैश्विक परिवर्तन का उल्लेख करते हुए कहा कि तकनीक का वास्तविक उद्देश्य 'उद्देश्यपूर्णप्रगति' होना चाहिए। उन्होंने डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया और मेक इन इंडिया जैसी पहलों को भारत की मजबूत उद्यमिता संस्कृति का आधार बताते हुए कहा कि अगला गूगल,अगला टेस्ला और अगला स्पेस एक्स भारत से ही निकलना चाहिए। ऐसे संस्थान एनआईटी कुरुक्षेत्र से यह सम्भव है।

उन्होंने कहा कि शिक्षा नीति मैकॉले द्वारा थोपी गई औपनिवेशिक शिक्षा व्यवस्था से देश को मुक्त करती है, जिसका उद्देश्य केवल क्लर्क तैयार करना था। उपराष्ट्रपति ने संस्थान में स्थापित 'समग्र व्यक्तित्व विकास केंद्र' की सराहना की,जो भगवद्गीता, सार्वभौमिक मानव मूल्य, संज्ञान विज्ञान और मानसिक स्वास्थ्य पर आधारित समग्र विकास को प्रोत्साहित करता है।

धर्मांतरण व नशे के माध्यम से फिर प्रहार करेंगे विदेशी,हमें सतर्क व चैतन्य रहना होगा : योगी

झज्जर,30 नवम्बर 2025। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री व गोरक्षपीठाधीश्वर महंत योगी आदित्यनाथ ने साधु-संतों के समक्ष दो बातें रखीं और समाज को चेताया। उन्होंने आगाह किया कि जब स्वर्णयुग आता है तो चैतन्य व सतर्क रहने की प्रेरणा देता है। जब भारत का स्वर्णयुग आया था तब विदेशी हमले होने भी प्रारंभ हो गए थे। हमें फिर से सतर्क रहना होगा। आज भी धर्मांतरण व नशा के माध्यम से हमला होगा और इसके पीछे विदेशियों का हाथ होगा। कोई भी सनातन विरोधी कार्य स्वीकार नहीं होना चाहिए। भारत,विश्व मानवता और चराचर जगत की रक्षा के लिए सनातन धर्म की रक्षा आवश्यक है। सनातन तभी सुरक्षित रहेगा,जब हम एक रहेंगे। बंटना नहीं है, बंटेंगे तो कटेंगे। जब-जब बंटे हैं, तब-तब यही हुआ है। जाति, तुष्टिकरण, क्षेत्र, भाषा के नाम पर बंटना नहीं है, बल्कि अयोध्या रामजन्मभूमि पर जैसे धर्मध्वजा फहरा रही है, वैसे ही एकजुट होकर भारत के सनातन धर्म की ध्वजा पताका हर सनातनी के घर पर लहराती दिखनी चाहिए। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री व गोरक्षपीठाधीश्वर महंत योगी आदित्यनाथ ने साधु-संतों के समक्ष दो बातें रखीं और समाज को चेताया। उन्होंने आगाह किया कि जब स्वर्णयुग आता है तो चैतन्य व सतर्क रहने की प्रेरणा देता है। जब भारत का स्वर्णयुग आया था तब विदेशी हमले होने भी प्रारंभ हो गए थे। हमें फिर से सतर्क रहना होगा। आज भी धर्मांतरण व नशा के माध्यम से हमला होगा और इसके पीछे विदेशियों का हाथ होगा। कोई भी सनातन विरोधी कार्य स्वीकार नहीं होना चाहिए। भारत, विश्व मानवता और चराचर जगत की रक्षा के लिए सनातन धर्म की रक्षा आवश्यक है। सनातन तभी सुरक्षित रहेगा, जब हम एक रहेंगे।

किसी न किसी रूप में नशे का कारोबार भारत में फैलाना चाहता है हमारा दुश्मन : योगी

सीएम योगी ने कहा कि नशा के खिलाफ प्रहार करना है। नशा कारोबारी व्यवस्था को खोखला बनाने का कार्य कर रहे हैं। नशा नाश का कारण है। यह सोचने का सामर्थ्य समाप्त कर देती है। हमें युवाओं,वर्तमान पीढ़ी व समाज को नशे से बचाना होगा। हमारा दुश्मन किसी न किसी रूप में नशा का कारोबार भारत में फैलाना चाहता है।

हर धार्मिक आयोजन में धर्मांतरण,लव जेहाद, नशा के खिलाफ उठनी चाहिए आवाज : योगी

सीएम ने संतों व योगेश्वरों से अपील की कि हर धार्मिक आयोजन में धर्मांतरण, लव जेहाद, नशा के खिलाफ आवाज उठनी चाहिए। जो वर्तमान को खोखला बना रहा हो और भावी पीढ़ी के भविष्य को अंधकार की तरफ धकेल रहा हो, उसे कतई बर्दाश्त नहीं करना है, बल्कि उसके खिलाफ अभियान चलाना होगा। सीएम ने कहा कि नाथ संप्रदाय के गृहस्थ योगी यहां सारंगी बजाकर अभिवादन कर रहे थे,यह नाथ सिद्धों व योगेश्वरों के जनजागरण का पुराना तरीका है।

संपादकीय

सभी समझें संविधान का सामर्थ्य

न होने पाए मनमानी व्याख्या

पिछले दिनों संसद के सेंट्रल हाल से लेकर अन्य स्थानों पर जो संविधान दिवस मनाया गया, उसकी शुरुआत प्रधानमंत्री मोदी ने 2015 से की थी। उन्होंने संविधान दिवस मनाना इसलिए आवश्यक समझा, ताकि देशवासी उसके मूल्यों और महत्ता से परिचित हो सकें। आज यदि भारत एक सफल लोकतंत्र के रूप में जाना जाता है तो इसके पीछे एक बड़ा योगदान हमारे संविधान का है।

संविधान की शक्ति ने ही देश को एकसूत्र में बांधकर रखा है। संविधान एक लंबी और श्रमसाध्य प्रक्रिया का परिणाम था। संविधान एक जीवंत दस्तावेज है और उसमें देश,काल और परिस्थितियों के अनुरूप संशोधन करने की गुंजाइश है। इसीलिए उसमें अब तक सौ से अधिक संशोधन किए जा चुके हैं। ये संशोधन सभी दलों की सरकारों ने किए हैं। यह स्पष्ट ही है कि आगे भी आवश्यकतानुसार संशोधन होते रहेंगे,लेकिन यह विचित्र है कि पिछले कुछ समय से कई विपक्षी नेता उसे पत्थर की लकीर की तरह पेश करने में लगे हुए हैं। वे संविधान खतरे में है का शोर मचाते हैं। सबसे अधिक शोर कांग्रेस नेता राहुल गांधी मचा रहे हैं। वे संकीर्ण राजनीतिक कारणों से ऐसा कर रहे हैं। संविधान को खतरे में दिखाने के लिए वे जब-तब उसकी प्रति लहराते रहते हैं। यह एक शिगूफा ही है,क्योंकि वे उसी संविधान की ताकत से सांसद और नेता विपक्ष हैं, जिसे खतरे में बताते हैं।

वे संवैधानिक संस्था चुनाव आयोग को भी निशाने पर लिए हुए हैं, जो मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर का अपना संवैधानिक काम कर रहा है। सच तो यह है कि यह राहुल गांधी ही हैं, जो संविधान को नुकसान पहुंचाने का काम कर रहे हैं।

संविधान की सार्थकता तब सिद्ध होती है,जब उसका उपयोग उसकी भावना के अनुरूप किया जाता है। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि अतीत में संविधान का दुरुपयोग और उसका मनमाना इस्तेमाल किया गया। 1975 में जब देश पर आपातकाल थोपा गया तो न केवल उसका निरादर किया गया, बल्कि उसका मनचाहा इस्तेमाल भी किया गया।

जब भी संविधान का इस्तेमाल मनमाने तरीके से किया जाएगा, उसकी शक्ति क्षीण होगी। यदि राजनीतिक दल अपने स्वार्थों के लिए संविधान का इस्तेमाल करेंगे तो इससे कहीं न कहीं जनता के हितों की भी अनदेखी होगी। यह किसी से छिपा नहीं कि इंदिरा गांधी ने अपने राजनीतिक हितों की पूर्ति के लिए संविधान की अनदेखी कर जो आपातकाल लगाया, उसके दुष्परिणाम आम जनता को भी भोगने पड़े। संविधान की सार्थकता बढ़ाने के लिए यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि सभी कार्य संविधानसम्मत ढंग से हों। यह भी आवश्यक है कि संविधान के प्रविधानों की मनमानी व्याख्या को रोका जाए। अपने देश में किस तरह संवैधानिक मामलों की मनचाही व्याख्या होती रहती है, इसका एक उदाहरण है आरक्षण। आरक्षण सामाजिक रूप से कमजोर-पिछड़े तबके के उत्थान के लिए संविधानप्रदत्त व्यवस्था है। इस तबके के उत्थान और उसे मुख्यधारा में लाने के लिए आरक्षण को आगे भी जारी रखने की आवश्यकता है, लेकिन उसे वोट बैंक का हथियार नहीं बनाया जाना चाहिए और न ही समाज को अगड़े-पिछड़े में बांटने वाली वैमनस्य की राजनीति की जानी चाहिए। दुर्भाग्य से आज ऐसा ही हो रहा है।

लड़कियों के लिए व्यावसायिक शिक्षा बहुत महत्वपूर्ण है...

"आधुनिक समय में बदलते सामाजिक,आर्थिक और तकनीकी स्तरों ने शिक्षा के स्वरूप को पूरी तरह बदल दिया है। इस दौर में सिर्फ़ डिग्री नहीं, बल्कि हुनर ही असली ताकत है। ख़ासकर लड़कियों के लिए व्यावसायिक शिक्षा एक सशक्त हथियार है, जो न सिर्फ़ आत्मनिर्भरता की ओर ले जाती है, बल्कि जीवन के हर क्षेत्र में नए द्वार भी खोलती है। आपको आत्मनिर्भर बनाता है।"

डॉ. विजय गर्ग
मलोट पंजाब

व्यावसायिक शिक्षा लड़कियों को विशिष्ट कौशल प्रदान करती है–जैसे फ़ैशन डिज़ाइन, ब्यूटी थेरेपी,कंप्यूटर एप्लीकेशन,अकाउंटिंग, स्वास्थ्य सेवा,फ़ोटोग्राफ़ी, इलेक्ट्रॉनिक्स,बेकिंग या अन्य तकनीकी पाठ्यक्रम। ये कौशल लड़कियों को अपनी आजीविका कमाने में सक्षम बनाते हैं, जिससे उनका आत्मविश्वास और निर्णय लेने की क्षमता बढ़ती है।

तेज़ नौकरी के अवसर

आज के उद्योग जगत को डिग्रीधारियों की नहीं,बल्कि काम करने वालों की ज़रूरत है। व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली लड़कियों को तुरंत नौकरी के अवसर मिलते हैं। कई क्षेत्रों में ऑन-द-जॉब प्रशिक्षण भी दिया जाता है, जिससे व्यावहारिक ज्ञान बढ़ता है और रोज़गार की संभावनाएँ मज़बूत होती हैं।

औद्योगीकरण के कदम

व्यावसायिक शिक्षा लड़कियों को अपने छोटे-बड़े व्यवसाय शुरू करने का अधिकार देती है। कई व्यवसाय घर से आसानी से शुरू किए जा सकते हैं–बुटीक, ब्यूटी पार्लर, बेकरी उत्पादन, ऑनलाइन ट्यूशन, शिल्प व्यवसाय, डिजिटल सेवाएँ– और यह उन्हें आर्थिक रूप से मज़बूत और समाज में सम्मानित बनाता है।

तकनीकी युग के साथ चलते रहना

डिजिटल इंडिया के दौर में तकनीकी शिक्षा का महत्व और भी बढ़ गया है। कोडिंग, ऐप डेवलपमेंट, डिजिटल मार्केटिंग, डेटा एंट्री, ग्राफिक डिज़ाइन, ये सभी विषय लड़कियों को नए ज़माने की प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करते हैं। व्यावसायिक शिक्षा के ज़रिए लड़कियाँ तकनीकी क्षेत्रों में भी अपनी मज़बूत पैठ बना रही हैं।

सामाजिक बंधनों से मुक्ति

कई परिवारों में लड़कियों की शिक्षा पर अभी भी पाबंदियाँ हैं, लेकिन व्यावसायिक पाठ्यक्रम अल्पकालिक,सस्ते और आस-पास उपलब्ध हैं,जिससे माता-पिता के लिए उन्हें मनाना आसान हो जाता है। यह शिक्षा लड़कियों को शैक्षणिक और आर्थिक, दोनों रूप से मज़बूत बनाती है, जिससे वे सामाजिक बंधनों से ऊपर उठती हैं।

आत्मविश्वास और नेतृत्व गुण

जब लड़कियाँ अपने हुनर से कमाती हैं, तो उनमें एक नई चमक आ जाती है। नए अनुभव,नई चुनौतियाँ और नए लोगों से मिलना उनमें नेतृत्व, संवाद और प्रबंधन जैसे गुण पैदा करता है जो जीवन भर काम आते हैं।

सुरक्षित भविष्य की गारंटी

रोज़गार सुरक्षा लड़कियों को जीवन में एक सुरक्षित और स्थिर भविष्य की गारंटी देती है। वे शादी के बाद भी अपनी पहचान बनाए रख सकती हैं, जो सामाजिक बदलाव का सबसे बड़ा कारण है।

निष्कर्ष

व्यावसायिक शिक्षा आज की लड़कियों के लिए सिर्फ़ एक कोर्स नहीं, बल्कि सशक्ति करण की एक यात्रा है। यह उन्हें शिक्षा,रोज़गार,आत्मनिर्भरता और समानता की ओर ले जाती है। जो समाज अपनी बेटियों को हुनरमंद बनाता है,वही समाज आगे बढ़ता है।

मेसेंजर की अनाम आत्माएँ और समाज का विवर्तन

डिजिटल द्वार पर दस्तक देती संवेदनाएँ,टूटते संबंधों की कहानियाँ और बदलते सामाजिक मानस का मार्मिक चित्र

मेसेंजर के आभासी प्रांगण में कुछ अनाम आत्माएँ प्रतिदिन प्रातः और सायंकाल ऐसे उतर आती हैं, मानो मेरे मन-लोक के द्वार उनकी प्रतीक्षा में ही सदैव खुले रहते हों। उनके संदेशों का प्रवाह इतना निरंतर, इतना अविरल होता है कि लगता है जैसे किसी सुदूर स्रोत से आशा की कोई अदृश्य नदी बहती चली आ रही हो। यह भी विचित्र है कि इन संदेशों के उत्तर की उन्हें तनिक भी चिंता नहीं– उनके शब्दों में एक ऐसी निस्सीम आशा झलकती है मानो दुनिया का ध्वंस भी उनसे उनकी जिजीविषा न छीन पाएगा...

प्रियंका सौरभ
हिसार (हरियाणा)

जब कभी मैं मेसेंजर खोलती हूँ, तो भीतर कृत्रिम पुष्पों की रंग-बिरंगी पाँतें, कोमल उपमाओं की मधुमयी धाराएँ और शब्दों की शक्कर से लिपटी मिठास मेरी आँखों के समक्ष फैल जाती है। वह क्षण किसी अनजाने उत्सव-सा लगता है– एक ऐसा उत्सव, जिसे किसी ने बिना निमंत्रण दिए मेरे जीवन में बिखेर दिया हो। कभी-कभी मन यूँ ही सोच में डूब जाता है–क्या सचमुच कोई अजनबी नारी किसी अनदेखे- अनजाने व्यक्ति के हृदय में इतना सारा मृदु स्नेह, इतनी कोमल भावनाएँ और इतना अनुशासित आदर जगा सकता है?

परंतु इसी कोने में एक गहरी विडंबना भी खड़ी है–अपने निजी जीवन में तो जीवनसाथी के मुख से एक मधुर शब्द भी सुनने को नहीं मिलता। वहाँ तो केवल शिकायतों की काँटेदार झाड़ियाँ और उलाहनों की सूखी टहनियाँ ही पनपती हैं। कभी-कभी तो ऐसा प्रतीत होता है जैसे विवाह नामक संस्था ने दो अधूरे मनुष्यों को एक साथ बाँधकर उनसे पूर्णता की अपेक्षा कर ली हो, जबकि भीतर दोनों ही अपूर्णताओं और अनकहे दुःखों के बोझ तले दबे हों।

फिर भी, इन अनाम स्नेहदाताओं के प्रति मेरे भीतर एक विचित्र-सा आभार जन्म लेता है। शायद यह आभार किसी अपेक्षा का नहीं, बल्कि इस भाव का है कि दुनिया में अभी भी कुछ लोग ऐसे हैं जो बिना स्वार्थ,बिना पहचान,बिना अपेक्षा– स्नेह देना जानते हैं। इस सत्य की मधुर अनुभूति ही हृदय में एक अदृश्य कृतज्ञता अंकित कर देती है। किन्तु मेरे अस्तित्व के भीतर इन अजनबियों के लिए किसी भी भाव–प्रेम,आकर्षण या खिंचाव–की कोई जगह नहीं। मेरे भीतर जो स्थान सुरक्षित है,वह वीतराग के विस्तृत आकाश की तरह रिक्त और शांत है। मेरे परिचय-वलय में एक ऐसा व्यक्ति भी है जो दुनिया को हँसी के उत्सव बाँटता फिरता है। वह अपनी चुटीली टिप्पणियों और सहज हास्य से लोगों के चेहरे पर मुस्कान उगा देता है, लेकिन जैसे ही वह घर के मुख्यद्वार पर पहुँचता है, उसके चेहरे से हर आभा ऐसे झर जाती है, जैसे वह गोड्डा निवाणे की किसी कठिन और थकाऊ यात्रा से लौटकर आया हो। उसे देखते हुए मन में यह शंका बार-बार जाग उठती है–कहीं ये संदेश भेजने वाले भी भीतर से वैसे ही रिक्त तो नहीं? कहीं यह मुस्कान केवल बाहरी छलावरण तो नहीं, जो भीतर के गहरे अकेलेपन को छिपाने के लिए ओढ़ रखी गई हो?

आज मेसेंजर में उमड़ती संदेशों की बाढ़ ने मेरे भीतर सामाजिक प्रवृत्तियों की तहों तक उतर जाने की एक तीव्र इच्छा जगा दी। कुछ परिचितों के जीवन-चित्र स्मृति में कौंध गए–प्रसन्न, संघर्षरत, टूटते और फिर से सँभलते हुए। हर चित्र अपने भीतर एक कहानी लिए हुए था, और हर कहानी समाज के बदलते स्वरूप का मूक प्रमाण थी।

इन सब पर विचार करते हुए सबसे पहले मैं उन परिवारों को हृदय से नमन करना चाहती हूँ जो प्रेम, धैर्य, संयम और परस्पर सम्मान की कोमल डोर से बँधे रहते हैं। ऐसे परिवार किसी नदी की गहराई जैसे होते हैं–ऊपर भले ही शांत दिखें,लेकिन भीतर वे समाज की स्थिरता और सामूहिक संतुलन के लिए अथाह जल संजोए रखते हैं। उनकी उपस्थिति समाज में शांति, सहनशीलता और स्नेही वातावरण का आधार बनती है। किन्तु समाज का दूसरा पक्ष भी उतना ही व्यापक और तीखा है। कुछ पुरुष और स्त्रियाँ,चालीस-पैंतालीस की सीमा में पहुँचते ही अचानक पीड़ित-भाव की ध्वजा उठाकर खड़े हो जाते हैं। उन्हें लगता है कि वे अपनी प्रतिभा के आकाश को छू सकते थे,यदि परिवार और बच्चों की जिम्मेदारियों ने उनके स्वर्णिम अवसर न निगल लिए होते। यह सोच धीरे-धीरे उनके विवाह की डोर को छिन्न-भिन्न करने लगती है। मन में उभरता यह कथित अवसर-हरण का भाव,दाम्पत्य जीवन में कटुता का बीज बो देता है।

इसी के समानांतर कुछ पुरुष बाहर की स्त्रियों से अपने बनावटी दर्द,झूठी विवशताओं और मनगढ़ंत दुःखों की कहानियाँ साझा करते हैं। संवेदनशील स्त्रियाँ उन कहानियों को सत्य समझकर भावनात्मक रूप से उलझ जाती हैं। पुरुषों का यह छलावा उन्हें अपने ही भावों की कैद में धकेल देता है–जहाँ वे समझ नहीं पातीं कि उनका अपनापन वास्तविकता से जुड़ा है या किसी के क्षणिक मनोरंजन का साधन मात्र।

आजकल सरायों और भोजनालयों के बाहर जो नाटकीय दृश्य घटित होते हैं– अंदर पत्नी किसी 'मित्र' के साथ बैठी और बाहर पति क्रोध से दहकता खड़ा– वे किसी एक परिवार की नहीं, पूरे समाज की विकृत मानसकथा हैं। इन दृश्यों को देखकर लगता है कि हम एक ऐसे दौर में प्रवेश कर चुके हैं जहाँ विश्वास सबसे सस्ता और विकार सबसे महंगा हो गया है।

कुछ लोग घर की उलझी परिस्थितियों से भागकर हमउम्र स्त्रियों या नवयुवतियों में क्षणिक सुख ढूँढने निकल पड़ते हैं। वे इन नए आकर्षणों में डूबकर यह मानने लगते हैं कि यही वास्तविक जीवन है, यही सच्चा प्रेम, यही पूर्णता। परंतु जब वह चमक भी फीकी पड़ जाती है, तो वे फिर किसी नए आकर्षण की तलाश में निकल जाते हैं–मानो जीवन कोई मण्डी हो और प्रेम उसका सबसे सस्ता सिक्का। घर में वही व्यक्ति कलह, कड़वाहट और अव्यवस्था की आग लेकर लौटता है। मधुरता, जो वह बाहर उदारता से बाँटता है,घर की चौखट के भीतर आते ही सूख जाती है–उसकी जगह ले लेते हैं रूखे शब्द,अस्थिर मन और थकान का बोझ। इन सब परिस्थितियों की प्रतिक्रिया स्त्रियों में भी प्रतिशोध,प्रतिस्पर्धा और प्रतिरोध के रूप में उभरती है। वे संघर्ष में उतर आती हैं, कभी स्वयं को सिद्ध करने, कभी अपना खोया आत्मसम्मान खोजने,तो कभी केवल अपने अस्तित्व की सुरक्षा के लिए। इसका परिणाम होता है–परिवारों का टूटना, बच्चों में दिशाहीनता, नशे की ओर झुकाव, और कम आयु में विपरीत लिंगी आकर्षण का असामान्य उभार।

बढ़ते अपराध, एकतरफा प्रेम की त्रासदियाँ, अवसाद, आत्महत्या और हिंसा–ये सब इसी टूट चुकी पारिवारिक नींव की उपज हैं। सोशल मीडिया उन घावों पर मरहम बनने की बजाय कई बार उन्हें और गहरा कर देता है।

सुख की तलाश में लोग दूसरों की सुख-शांति भी छीन ले जाते हैं। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम अपने घरों में संवाद,प्रेम, आदर, विश्वास और धैर्य की गरिमा को पुनः स्थापित करें। तभी हम स्वस्थ, संतुलित समाज का निर्माण कर पाएँगे–ऐसा समाज जहाँ अगली पीढ़ियाँ टूटे मनों की विरासत नहीं,बल्कि स्नेह और समझ की पूँजी लेकर आगे बढ़ सकें।

यदि मेरे शब्दों से किसी संवेदनशील हृदय को पीड़ा पहुँची हो,तो मैं सहृदय क्षमा याचना करती हूँ।

भोपाल में मौलाना महमूद मदनी का भड़काऊ भाषण,जिहाद को कहा पवित्र शब्द

स्वराज श्रीवास्तव

भोपाल में जमीयत उलेमा-ए-हिंद की बैठक में मौलाना महमूद मदनी ने जो कुछ कहा, उसे भड़काऊ भाषण के अतिरिक्त और कुछ नहीं कहा जा सकता। उनकी बातें कट्टरपंथी तत्वों के दुस्साहस को बल प्रदान करने का ही काम करेंगी, क्योंकि एक तो उन्होंने जिहाद को पवित्र शब्द करार दिया और दूसरे एक तरह से यह धमकी भी दी कि जब-जब जुल्म होगा, तब-तब जिहाद होगा। अच्छा होता कि वे यह भी बता देते कि इस जिहाद के नाम पर क्या होगा? पता नहीं वे जिहाद को किस रूप में देखते और समझते हैं, लेकिन उन्हें इससे परिचित होना चाहिए कि न जाने कितने आतंकी संगठन ऐसे हैं, जो अपने नाम में जिहाद शब्द का इस्तेमाल करते हैं। वे अपनी आतंकी गतिविधियों को बिना किसी शर्म-संकोच जिहाद का नाम देते हैं। साफ है कि उनके कहने भर से जिहाद को आंतरिक संघर्ष की संज्ञा नहीं दी जा सकती। वैसे भी किसी शब्द का अर्थ उसी रूप में समझा जाता है, जिसके लिए उसका इस्तेमाल होने लगता है। क्या मदनी यह दावा कर सकने की स्थिति में हैं कि आज बुराइयों से लड़ने की कोशिश ही जिहाद है? मौलाना मदनी जिस तरह इस नतीजे पर भी पहुंच गए कि सुप्रीम कोर्ट समेत सभी अदालतें दबाव में काम कर रही हैं, उससे उन्होंने न केवल न्यायपालिका को नीचा दिखाने का काम किया, बल्कि उसके प्रति अविश्वास पैदा करने की भी कोशिश की। यह एक खतरनाक कोशिश है। शायद उनकी नजर में अदालतें तभी तक स्वतंत्र हैं, जब तक वे उनके मनमाफिक फैसला दें। यह न तो संभव है और न ही किसी को इसकी अपेक्षा करनी चाहिए। मदनी ने न्यायपालिका को दबाव में लेने की जो कोशिश की, उसका प्रतिकार किया जाना आवश्यक ही नहीं अनिवार्य है। ऐसा इसलिए किया जाना चाहिए, क्योंकि उन्होंने अपने संबोधन में तीन तलाक पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले का भी उल्लेख किया।

एसआईआर पर नहीं खत्म हो रहे सवाल

अभिषेक पाण्डेय

एसआईआर के दूसरे चरण को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। टीएमसी सांसदों के एक प्रतिनिधिमंडल ने चुनाव आयोग के सामने इस प्रक्रिया के औचित्य और निष्पक्षता पर सवाल उठाए हैं। एसआईआर से जुड़े संदेहों का दूर न होना शुभ संकेत नहीं है।

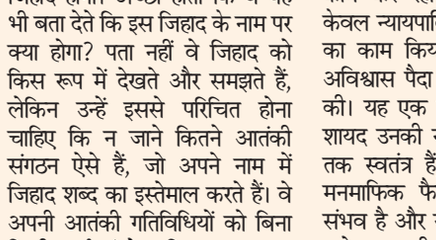

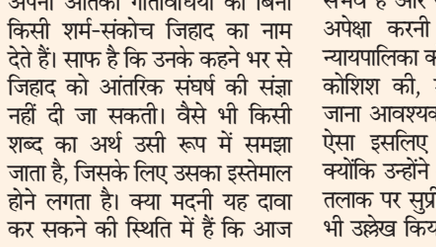

दूसरे चरण में 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में वोटर लिस्ट का गहन पुनरीक्षण किया जा रहा है। इनमें केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल भी हैं, जहां अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। हाल में हुए बिहार चुनाव में विपक्ष ने एसआईआर को मुद्दा बनाया था और आने वाले इलेक्शन में भी चर्चा इसी के इर्द-गिर्द रहने की उम्मीद है।

एसआईआर के विपक्ष कर रहा शिकायत राजनीतिक राजनी पहलू को समझा जा सकता है, खासकर बंगाल में जहां बीजेपी और टीएमसी के बीच कड़ी टक्कर होने का अंदाजा है। लेकिन, इससे जुड़ी चिंताओं को भी खारिज नहीं कर सकते। पहली चिंता राजनीतिक है, जिसे लेकर ममता बनर्जी की पार्टी ने मुख्य चुनाव आयुक्त से सवाल पूछे हैं।

यह संदेह अभी तक दूर नहीं हुआ है कि एसआईआर का एक मकसद नागरिकता भी तय करना है। हालांकि सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान स्पष्ट किया जा चुका है कि यह प्रक्रिया मतदाताओं के पहचान से जुड़ी है, नागरिकता से नहीं। इसके बाद भी अगर किसी भी स्तर पर असमंजस है, तो आयोग को उसे समझना होगा, खासतौर पर सीमाई राज्यों में। चुनावी प्रक्रिया और नागरिकता, दो अलग चीजें हैं और इस पर स्पष्टता जमीनी स्तर पर होनी चाहिए।

सत्य की शक्ति मानव को असीमित शक्ति और अतुल्य बल प्रदान करती है...

परिवर्तन सृष्टि का अनवरत गतिसत्य एवं पुरुषार्थ से परिश्रम

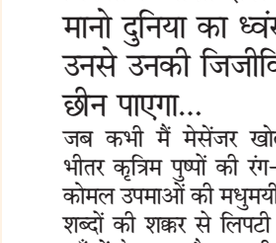

संजीव ठाकुर
रायपुर, छत्तीसगढ़

जीवन में सफलता का सम्यक पैमाना।मान नियम है; यही वह अक्षय शक्ति है जिसके प्रभाव से ब्रह्मांड से लेकर सूक्ष्मतम कण तक निरंतर रूपांतरण की प्रक्रिया से गुजरते हैं। समय की धारा में नवीन मूल्यों का उद्भव और जर्जर मूल्यों का विस्थापन एक शाश्वत सत्य की भाँति सदा से स्वीकार्य रहा है। मानव सभ्यता का सम्पूर्ण इतिहास इस तथ्य का साक्षी है कि उन्नति की हर सीढ़ी अदम्य जिज्ञासा, जिजीविषा, प्रबल उत्साह, निडर आशावादिता और अविरत पुरुषार्थ के बल पर ही संभव हुई है। स्वामी विवेकानंद के शब्द– सत्य की शक्ति मानव को असीमित शक्ति और अतुल्य बल प्रदान करती है– केवल उपदेश मात्र नहीं, बल्कि अनुभव-सिद्ध और आत्म-साक्षात्कार से अद्भुत दर्शन है। मानव जीवन में सत्य और धन–ये दोनों तत्व सदैव से निर्णायक कारक रहे हैं, किन्तु इनकी परस्पर भूमिका समय और परिस्थिति के अनुसार बदलती रही है। सत्य का मूल्य सार्वकालिक,अपरिवर्तनीय और दिव्य है,जबकि धन का महत्व व्यवहारिक जीवन की सुगमता और व्यवस्थित समाज-निर्माण तक सीमित है। धन की उपस्थिति विकास के लिए आवश्यक अवश्य है, परंतु उसका अतिरेक व्यक्ति, समाज और राष्ट्र की दिशा को दिग्भ्रमित कर सकता है। सत्य की भाँति स्थायी आधार पर धन का संतुलित प्रयोग ही विकास को सार्थक एवं मानवीय बनाता है। गलत मार्ग से अर्जित धन घोर अंधकार है, जबकि सत्य जीवन का शाश्वत प्रकाश–जिसकी आभा कभी मंद नहीं पड़ती। भारतीय दर्शन यही प्रतिपादित करता है कि धनबल सब कुछ नहीं; सत्य के अभाव में धन निरर्थक, अधूरा तथा अंततः विनाशकारी है। सत्य सिद्धांत के बिना धन की मीमांसा अधूरी है, ठीक वैसे ही जैसे शरीर प्राण के बिना। प्राचीन भारतीय परम्परा में धन जीवन के साधन रूप में प्रतिष्ठित हुआ, परंतु सत्य जीवन के परम उद्देश्य और चरम साधना के रूप में आदर प्राप्त करता आया है। निवृत्ति, संयम, त्याग, तप,संतोष और विवेक–इन मूल्यों की तुलना में भोगवाद को किसी भी समय वरीयता नहीं दी गई, अतः सत्य का गौरव कभी दमन नहीं हुआ। वेदों तथा पुराणों में कहा गया है कि सत्य का सुख स्वर्ण-पात्र में आच्छादित है; जब धन मुखर होता है तब सत्य नेपथ्य में चला जाता है,पर धन का अतिरेक होते ही सत्य पुनः उद्भासित हो उठता है। सत्य सनातन शक्ति है, धन मिथ्या; धन क्षणभंगुर, सत्य अनादि-अनन्त। भारतीय संस्कृति ने सत्य को मन,वचन और कर्म की त्रिवेणी में अद्वैत के रूप में प्रतिष्ठित किया है। 'साँच को आंच नहीं', 'सत्यं ब्रूयात् प्रियं ब्रूयात्' 'नैति सत्यं' जैसी कहावतें और मुंडक उपनिषद का दिव्य वाक्य सत्यमेव जयते भारतीय चित्त और चरित्र की सर्वोच्च पहचान हैं। यही मंत्र आज भारतीय गणतंत्र का आदर्श वाक्य है–जो केवल संविधान की शोभा नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों की आत्मा की ध्वनि है। वैदिक दर्शन से लेकर जैन, बौद्ध, सिख, ईसाई और इस्लामी चिंतन तक सभी ने सत्य को सर्वोपरि माना है। परंतु औद्योगिक क्रांति के पश्चात पश्चिम में भोगवाद और पूँजीवाद के विस्तार ने आर्थिक तत्व को प्रमुख जीवन-निर्धारक सिद्धांत बना दिया। वैश्वीकरण, उदारीकरण और पूँजी-केन्द्रित विकास की नयी दुनिया में राजनीति, समाज, धर्म, अध्यात्म, न्याय, शिक्षा, मीडिया, पर्यावरण, यहाँ तक कि पारिवारिक संबंध भी अर्थ-बल के नियमों पर संचालित होने लगे। आज स्थिति यह है कि धन के बल पर शक्ति, प्रतिष्ठा, मान-सम्मान, सत्ता, निर्णय और प्रभाव खरीदा जाने लगा है। निर्धन का सत्य, चाहे वह कितना ही पवित्र अथवा तार्किक क्यों न हो, अक्सर महत्वहीन समझ लिया जाता है। इसके विपरीत धनवान का असत्य भी सम्मानित होकर आदर्श का रूप ले लेता है। न्यायपालिका, विधायिका तथा कार्यपालिका में सत्य के दमन के अनगिनत उदाहरण प्रतिदिन सामने आते हैं। न्याय अब गरीब का अधिकार न रहकर धनी वर्ग की मुट्ठी में बंद तिजोरी बन गया है–जहाँ निर्णय की कीमत तौल में मापी जाती है।

कविता

कुर्सी होगी सुलभ...!

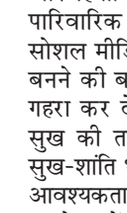

संजय एम तराणेकर
इन्दौर-452011 (मध्य प्रदेश)

मल्लिकार्जुन ने नेताओं को दिल्ली किया तलब,
अब मुख्यमंत्री की कुर्सी किसी को होगी सुलभ।
कर्नाटक में सत्ता परिवर्तन को लेकर उठी लहर,
अटकलों ने सियासी उथल-पुथल पे ढाया कहर।

डीके-सिद्धा समर्थक कर रहें शक्ति-प्रदर्शन शुरू,
राहुल बाबा बहुत सयाने है इन सब के वो है गुरु।
अब सोनिया-प्रियंका सोचते रहते हैं मैं क्या करूं,
फूटे किस पर ठीकरा मैं हाथ कहां-कहां पर धरु।

पावर-शेयरिंग फार्मूले ने बढ़ाई सबकी मुसीबत,
यूं नेताओं को सामंजस्य बैठाने में होगी दिक्कत।
पद की रेस में परमेश्वरा ने भी ठोक दिया है दावा,
एक-दूसरे पर शब्दबाण चलाकर हो रहा छलावा।

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

-सम्पादक

CMYK

मैनपाट में बाक्साइट खदान विस्तार को लेकर ग्रामीणों का विरोध,जनसुनवाई के दौरान हुआ हंगामा

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,30 नवम्बर 2025
(घटती-घटना)।
छत्तीसगढ़ के मैनपाट में कंडराजा और उरगा क्षेत्र में प्रस्तावित बाक्साइट खदान विस्तार को लेकर स्थानीय ग्रामीणों का विरोध तेज हो गया है। रविवार को नर्मदापुर मिनी स्टेडियम में आयोजित प्रशासनिक जनसुनवाई के दौरान विरोध कर रहे ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन किया और यहां लगाए गए पंडाल को उखाड़ दिया। इस दौरान पुलिस बल और प्रशासनिक अधिकारी भी मौके पर मौजूद थे,लेकिन ग्रामीणों के गुस्से के सामने उनकी कोई नहीं चली। मैनपाट,जिसे छत्तीसगढ़ का 'शिमला' भी कहा जाता है, में प्रस्तावित बाक्साइट खदान के विस्तार को लेकर जनसुनवाई का आयोजन किया गया था। प्रशासन ने इस कार्यक्रम के लिए नर्मदापुर में पंडाल लगाया था,लेकिन क्षेत्रीय ग्रामीणों ने इसका विरोध करना शुरू कर दिया। उनका कहना था कि पहले से चल रहे बाक्साइट खदानों ने पर्यावरण पर भारी असर डाला है, और खदान के विस्तार से यह स्थिति और भी बिगड़ेगी। इस विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व जिला पंचायत सदस्य रतनी नाग ने किया, जो क्षेत्र के अन्य ग्रामीणों के साथ खदान विस्तार

के खिलाफ खड़े हुए थे। ग्रामीणों का आरोप है कि खदान के विस्तार से न केवल स्थानीय पर्यावरण को नुकसान होगा, बल्कि उनके जल, जंगल और जमीन पर भी खतरा मंडराएगा। मैनपाट में खेती-किसानी ही मुख्य आजीविका का स्रोत है और खदान की वजह से जमीन का उपजाऊपन समाप्त हो सकता है। इसके साथ ही, भूजल स्तर में गिरावट और जलस्रोतों की कमी की संभावना भी जताई जा रही है।

मैनपाट की पहचान उसकी हरी-भरी वादियों और शांतिपूर्ण पर्यावरण से है, और स्थानीय लोग इसे एक प्रमुख पर्यटन स्थल मानते हैं। खदान विस्तार से इस क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता और हरियाली को भारी नुकसान हो सकता है,जिससे यहां के पारंपरिक जीवन में भी बदलाव आ सकता है। इसके अलावा, क्षेत्र में हाथियों का भी बसेरा है, और खदान के विस्तार से इन जंगली जानवरों के आक्रामक होने की संभावना जताई जा रही है, जो स्थानीय समुदाय के लिए एक गंभीर समस्या बन सकती है। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि जनसुनवाई से पहले,प्रभावित क्षेत्र के कुछ ग्रामीणों को शराब पिलाकर उनकी राय बदलने की कोशिश की गई,ताकि वे खदान के विस्तार के पक्ष में वोट दें। इस मामले को लेकर जिला पंचायत सदस्य रतनी नाग ने प्रशासन और खदान कंपनी पर गंभीर आरोप लगाए। जनसुनवाई के दौरान हुई गहमागहमी को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए थे। पुलिस बल मौके पर तैनात था और प्रशासनिक अधिकारी भी स्थिति पर नजर बनाए हुए थे। हालांकि, विरोधी ग्रामीणों के गुस्से को देखते हुए जनसुनवाई का माहौल तनावपूर्ण हो गया था।

अंबिकापुर में ठंडी का कहर...

2025 के नवंबर ने तोड़े पुराने रिकॉर्ड

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,30 नवम्बर 2025
(घटती-घटना)।
मौसम वैज्ञानिक एएम भट्ट ने बताया कि सन 1969 से अब तक के प्राप्त न्यूनतम तापमान के आंकड़ों में इस वर्ष नबम्बर के पूर्वार्ध में पहली बार न्यूनतम तापमान लगातार 11 दिनों तक 10 डिग्री के नीचे रहा है। हालांकि इसके पूर्व भी नबम्बर में न्यूनतम तापमान लगातार 10 डिग्री के नीचे दर्ज होता रहा है और सर्वाधिक 16 दिनों तक 10 डिग्री के नीचे रहने का रिकार्ड सन 1970 तथा 13 दिन का रिकार्ड पिछले वर्ष 2024 में रहा है। इसी तरह 1975 और 1981 में यह रिकॉर्ड 11-11 दिनों का था। परंतु ये सभी रिकॉर्ड्स नबम्बर के उत्तरार्द्ध में बने थे जबकि इस वर्ष दिनांक 9 से 19 नबम्बर तक लगातार 11 दिन न्यूनतम तापमान के 10 से अधिक दिनों तक नीचे रहने का पहला रिकार्ड बना है। अंबिकापुर में शीतलहर का प्रकोप जारी है। दक्षिण भारत में चक्रवाती तूफान के असर के कारण आसमान में बादल का अंश है। इस लिए तापमान में आंशिक वृद्धि देखी जा रही है,लेकिन ठंड से विशेष राहत नहीं है। न्यूनतम तापमान अभी भी 8 डिग्री के करीब है। जबकि दो दिन पूर्व न्यूनतम तापमान 6 डिग्री दर्ज किया गया था। मौसम वैज्ञानिक के अनुसार मासिक औसत न्यूनतम तापमान की दृष्टि से सबसे ठंडी रातों का वर्ष 1996 था,इस वर्ष औसत मासिक न्यूनतम 9.7 डिग्री था।

9.8 डिग्री के औसत मासिक न्यूनतम के साथ सबसे ठंडा नबम्बर सन 1970 का था जबकि तीसरे पायदान पर 2025 का नबम्बर रहा। इस वर्ष का औसत न्यूनतम 9.9 डिग्री रहा जो कि सामान्य मासिक औसत से 3.1 डिग्री कम रह। मौसम वैज्ञानिक के अनुसार दक्षिण भारत में चक्रवाती तूफान सक्रिय है। इस कारण इसका असर उत्तर छत्तीसगढ़ में भी देखा जा रहा है। दक्षिण की ओर से आ रही नमी के कारण कोहरे की स्थिति बनी हुई है। वहीं तापमान में आंशिक वृद्धि दर्ज की जा रही है। मौसम साफ होते ही तापमान में गिरावट दर्ज की जाएगी और कड़ाके की ठंड पडने की संभावना है।

कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन का जिला स्तरीय बैठक सम्पन्न

वर्क आफ्टर ब्रेक के थीम पर 22 दिसंबर से कार्यालयों में पूर्णतः तालाबंदी

-संवाददाता-
सूरजपुर,30 नवम्बर 2025
(घटती-घटना)।
छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन ने सरकार के लगातार उपेक्षापूर्ण रवैये के विरोध में 3 दिवसीय हड़ताल की घोषणा की है। फेडरेशन के अनुसार शासन द्वारा बारंबार पत्राचार एवं एक दिवसीय हड़ताल के बावजूद लंबित मांगों पर कोई सकारात्मक पहल नहीं होने से संगठन आंदोलन को बाध्य हुआ है। सूरजपुर फेडरेशन के जिला संयोजक डॉ आर एस सिंह ने बताया कि 19 नवंबर 2025 को प्रांतीय संयोजक कमल वर्मा की अध्यक्षता में आयोजित कोर कमेटी की बैठक में निर्णय लिया गया कि मोदी की गारंटी के अनुरूप कर्मचारियों को देय 3 प्रतिशत महंगाई भत्ता तथा लगभग 80 माह का लंबित एरियर्स जीपीएफ खाते में समायोजित करने सहित 11 सूत्रीय मांगों पर सरकार उदासीन है।

इसी के चलते फेडरेशन 22 से 24 दिसंबर 2025 तक 3 दिन की हड़ताल करेगा। इस दौरान सभी सरकारी कार्यालयों में कामकाज ठप्प रहेंगे।जिला संयोजक महिला प्रकोष्ठ श्रीमती प्रतिमा सिंह ने आंदोलन की रूपरेखा से अवगत कराते हुए सभी अधिकारी कर्मचारियों से एकजुट होकर आंदोलन में शामिल होने अपील किया गया गया। जिला महासचिव इकबाल अंसारी व जिला मीडिया प्रभारी राधेश्याम साहू ने बताया कि फेडरेशन द्वारा शासन से लगातार पत्राचार किया जा रहा है किंतु शासन द्वारा मांगों पर संज्ञान नहीं लेने से प्रदेश के समस्त कर्मचारियों में आक्रोश पनपता जा रहा है,शासन का ध्यानाकर्षण कराने के लिए फेडरेशन द्वारा तीन दिनों का आंदोलन वर्क आफ्टर ब्रेक के थीम पर करने का निर्णय लिया गया है, फिर भी यदि सरकार मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लेती है तो प्रदेश के समस्त अधिकारी कर्मचारी कार्यालयों में तालाबंदी कर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जायेंगे, जिसका जिम्मेदार पूर्णतः सरकार का वादाखिलाफी रवैया होगा। ये हैं फेडरेशन की प्रमुख मांगें केंद्र के समान देय तिथि से कर्मचारियों व पेंशनरों को महंगाई भत्ता। वर्ष 2019 से लंबित महंगाई भत्ता एरियर्स को जीपीएफ में समायोजित करना। सभी संवर्गों को चार स्तरीय समयमान वेतनमान लिपिक, शिक्षक, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास सहि विभिन्न विभागों की वेतन विसंगति दूर करना तथा पिंगुआ कमेटी की रिपोर्ट सार्वजनि करना। प्रथम नियुक्ति तिथि से सेवा लाभ की गणना सहायक शिक्षक, पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारियों को तृतीय समयमान सहित अन्य मांगें शामिल हैं।

सेमरा जंगल में शराबियों ने पथराव कर मचाया उत्पात

तीन शराबियों ने वन रक्षक की कार पर पथराव कर कार को क्षतिग्रस्त कर वन रक्षक को किया घायल, पुलिस तलाश में

-संवाददाता-
राजपुर,30 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।
मिली जानकारी के अनुसार राजपुर वन परिक्षेत्र के सेमरा सागौन जंगल कक्ष क्रमांक पी. 2758 में वनरक्षक परमिट एक्का साथी वनकर्मियों के साथ 30/112025 को लगभग दोपहर दो बजे वन्यप्राणियों के गड़ना के लिए ट्रांजिट लाइन लगवाने गए हुए थे। इसी दौरान सागौन जंगल में ग्राम दरकी शंकरगढ़ निवासी संतोष पिता अन्नू उरांव के साथ दो अज्ञात शराब पी रहे थे। वन रक्षक के द्वारा बोला गया आप और कही और जाकर पीजिए यहां काम करना है। इसी बात को लेकर तीनो आरोपियों ने वनरक्षक को गाली गलौज,मारपीट कर पथराव कर दिया। जिससे वन रक्षक को चोट तो लगी ।

आरोपियों ने उनके कार को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। मामले को गंभीरता से लेते हुए शिकायत पर राजपुर पुलिस पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है। थाना प्रभारी भारद्वाज सिंह से उनके मोबाइल नंबर पर इस विषय को लेकर जानकारी चाहिए गई तो उनके द्वारा कहा गया आरोपियों की तलाश जारी है जल्दी उन्हें पड़कर उन पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। वन परिक्षेत्राधिकारी महाजन लाल साहू ने बताया कि वन्यप्राणी ट्रांजिट लाइन का उपयोग वन्यजीवों की गणना और निगरानी के लिए किया जाता है, जिसमें वन कर्मचारी जंगल में एक काल्पनिक रेखा खींचते हैं और फिर उस रेखा के साथ जानवरों के पदचिन्हों और निशानों की तलाश करते हैं। इन निशानों का उपयोग जानवरों की वास्तविक संख्या और अन्य विवरणों को दर्ज करने के लिए किया जाता है। वन रक्षक परमिट एक्का वनकर्मियों के साथ मौके पर पहुंचे थे इसी बीच संतोष उरांव सहित तीन लोगो ने मारपीट कर पथराव कर दिया।

तेज रफ्तार बनी काल...दो बाइकों के बीच हुई जबरदस्त भिड़ंत

ड्यूटी कर लौट रहे आरक्षक की मौत,पुलिस विभाग में शोक की लहर

-संवाददाता-
सूरजपुर,30 नवम्बर 2025
(घटती-घटना)।
सूरजपुर जिले में एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया, जिसमें रामानुजनगर थाने में पदस्थ आरक्षक दलसाय कोराम की मौत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि दोनों बाइकों की आमने-सामने टक्कर में आरक्षक गंभीर रूप से घायल हो गया। इलाज के दौरान आज उसकी मौत हो गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, आरक्षक दलसाय कोराम शनिवार रात परशुरामपुर क्षेत्र में वारंट तामील कर आधिकारिक कार्य पूरा करने के बाद रामानुजनगर थाने वापस लौट रहा था। इसी दौरान जैसे ही वह सरईपारा गांव के पास पहुंचा, सामने से तेज रफ्तार में आ रही बाइक ने उसकी बाइक को जोरदार टक्कर

मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों वाहन सवार सड़क पर बुरी तरह छिटक गए।

इलाज के दौरान मौत : हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोगों की मदद से आरक्षक को गंभीर हालत में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामानुजनगर ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार शुरू किया। हालांकि, सिर और शरीर में गंभीर चोटें होने के कारण आरक्षक को बचाया नहीं जा सका और इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस विभाग में शोक की लहर फैल गई है। मामले में रामानुजनगर पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है और हादसे की जांच शुरू कर दी है। दूसरी बाइक पर सवार युवक की स्थिति और उसका विवरण भी पुलिस जुटा रही है।

छत्तीसगढ़ में बढ़ रहे सड़क हादसे बने चिंता का विषय : छत्तीसगढ़ में पिछले कुछ महीनों से सड़क दुर्घटनाओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। तेज रफ्तार, ओवरटेकिंग,सड़क सुरक्षा नियमों की अनदेखी और रात के समय लापरवाही इसके प्रमुख कारण माने जा रहे हैं।

मन की बात कार्यक्रम का 128 वाँ संस्करण लखनपुर मंडल में संपन्न

मंत्री राजेश अग्रवाल एवं जिला अध्यक्ष भरत सिंह सिसोदिया रहे मुख्य अतिथि

-संवाददाता-
लखनपुर,30 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।
भारतीय जनता पार्टी मंडल लखनपुर में 30 नवंबर 2025 को प्रातः 11:00 बजे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक संवाद 'मन की बात' का 128वाँ संस्करण सामूहिक रूप से सुना गया। इस अवसर पर कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ के मंत्री राजेश अग्रवाल एवं भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष भरत सिंह सिसोदिया की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री द्वारा लोकल फ़ॉर वोकल,स्थानीय उत्पादन, खेलो इंडिया एवं समाज से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर दिए गए संदेशों को विस्तारपूर्वक सुना गया। इस अवसर पर मंत्री राजेश अग्रवाल ने मन की बात के माध्यम से प्रधानमंत्री के संदेश पर प्रकाश डालते हुए स्थानीय स्तर पर संगठन को और सशक्त बनाने पर बल दिया। वहीं जिला अध्यक्ष भरत सिंह सिसोदिया ने अपने उद्बोधन में स्थानीय उत्पादों के बढ़ावा, संगठन विस्तार व प्रत्येक बूथ पर मन की बात कार्यक्रम के सफल संचालन पर विशेष जोर दिया। कार्यक्रम का स्वागत भाषण मंडल अध्यक्ष दिनेश बारी द्वारा दिया गया। उन्होंने उपस्थित कार्यकर्ताओं एवं अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए अनुरोध किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विचारों को अधिक से अधिक जनता तक पहुँचाने का संकल्प लिया जाए। कार्यक्रम में राहुल अग्रवाल एवं शिवराज सिंह दिनेश गुप्ता, राजेन्द्र जायसवाल, सुभाष अग्रवाल, बृजकिशोर पांडे, कामेश्वर राजवाड़े, सत्यनारायण साहू, यतेंद्र पांडे, लछमन साहू, महामंत्री सचिन अग्रवाल, महेश्वर राजवाड़े, राजेन्द्र गुप्ता, घरभरन राजवाड़े, चेतन राजवाड़े, मोहपाल राजवाड़े, सुदर्शन मानिकपुरी, भुवन, अमर साय सहित भाजपा कार्यकर्ता एवं आमजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

शहीद चौक पर सिटी कोतवाली ने लगाया नए आपराधिक कानून की प्रदर्शनी

प्रभारी पुलिस अधीक्षक एवं नगर पालिका अध्यक्ष ने अपराधिक कानून के प्रदर्शनी में फीता काटकर किया शुभारम

-संवाददाता-
बलरामपुर,30 नवम्बर 2025
(घटती-घटना)।
बलरामपुर जिला सी टी कोतवाली पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार दिनांक 30 नवंबर, 2025 को बलरामपुर शहर के हृदय स्थल शहीद चौक में थाना सिटी कोतवाली बलरामपुर के द्वारा लगाये गए नए आपराधिक कानून की प्रदर्शनी का श्री मनोज कुमार खिलारी (भापुसे), प्रभारी पुलिस अधीक्षक बलरामपुर-रामानुजगंज एवं लोधी राम एक्का माननीय नगर पालिका अध्यक्ष बलरामपुर के द्वारा फीता काटकर शुभारंभ किया गया। बताया गया है कि इस नए आपराधिक कानून की प्रदर्शनी के माध्यम से आम लोगों को नवीन कानूनों के संबंध में जानकारी देना एवं अधिक से अधिक लोगों को जागरूक करना है। नए आपराधिक कानून की प्रदर्शनी के शुभारंभ के दौरान नगर के प्रतिष्ठित जनप्रतिनिधिगण एवं पुलिस अधिकारी कर्मचारीगण विशेष रूप से मौजूद रहे।

सक्षम परिवार का 'गरीबी' प्रमाण...क्या ईडब्ल्यूएस भी अब प्रभावशाली लोगों की जेब में?

ईडब्ल्यूएस गरीबों के लिए...पर लाभ उठाने को अमीर? तहसील आवेदन से खुल रही व्यवस्था की कमजोरियाँ

- योजनाएँ जरूरतमंदों के लिए बनीं,पर फायदा सबसे पहले पहुँच वाले उठा ले जाएँ...क्या यही नया मॉडल?
- नगर सेठ के नाती के लिए ईडब्ल्यूएस प्रमाण-पत्र की मांग...सक्षम परिवार का आवेदन बना तहसील में चर्चा का विषय
- 8 लाख से कम आय व सीमित अचल संपत्ति की शर्त...क्या झूठ बोलकर हासिल किया जा रहा है 'गरीबी का प्रमाण-पत्र?

व्यापार व राजनीति में लंबे समय से मजबूत परिवार फिर भी 'आर्थिक रूप से कमजोर' का दावा

संपन्न व्यापारी-राजनीतिक परिवार ने वार्षिक आय 3.50 लाख बताई, तहसील में खड़ा हुआ बड़ा सवाल।

जाँच-पड़ताल की सख्ती कहाँ? क्या नियम प्रभाव के सामने हमेशा झुक जाते हैं? गरीब का हक छिनने का खतरा गहराया और ईडब्ल्यूएस की विश्वसनीयता फिर सवालों में...

-रवि सिंह-

बैकुंठपुर/पटना 30 नवम्बर 2025 (दैनिक घटती-घटना)। पटना तहसील में प्रस्तुत एक आवेदन इन दिनों कोरिया जिले में गहरी चर्चा का विषय बना हुआ है। आवेदन नगर के एक बेहद सक्षम, प्रभावशाली और संपन्न परिवार– जिसे लोग 'नगर सेठ' के नाम से जानते हैं के पुत्र द्वारा दिया गया है, उन्होंने अपने पुत्र (नगर सेठ के नाती) के लिए ईडब्ल्यूएस प्रमाणपत्र बनाने की मांग की है, आवेदन में परिवार की वार्षिक आय 3 लाख 50 हजार रुपये दर्शाई गई है, जबकि जिलेभर में लोग इस परिवार को अति-संपन्न, वर्षों से व्यापारिक रूप से स्थापित और राजनीतिक रूप से प्रभावशाली मानते हैं। इसी वजह से तहसील में यह आवेदन अचरज भी पैदा कर रहा है और सवाल भी।

गरीबी का प्रमाणपत्र अमीरी की पहुँच

गरीबी सिर्फ एक स्थिति नहीं, बल्कि संघर्ष का वह बोझ है जिसे रोज़ ढोकर आम आदमी जीता है। लेकिन आज हालत यह है कि गरीबी की पीड़ा से दूर रहने वाले, सुविधाओं से घिरे, व्यापार और राजनीति में मजबूत परिवार भी सरकारी लाभ हासिल करने के लिए स्वयं को 'गरीब' घोषित करने लगे हैं। यह सिर्फ विडंबना नहीं बल्कि व्यवस्थागत नैतिक पतन का सबसे खतरनाक संकेत है, पटना तहसील में नगर सेठ के परिवार द्वारा प्रस्तुत ईडब्ल्यूएस आवेदन इस क्षेत्र की सच्चाई बेनकाब करता है। जिस परिवार का व्यापारिक व राजनीतिक वर्चस्व वर्षों से कायम है, वह यदि अपनी आय '3.50 लाख' घोषित करे और गरीबी प्रमाणपत्र माँगे, तो यह सिर्फ एक आवेदन नहीं, गरीबों के अधिकार पर हमला है। यह वही वर्ग है जिसके लिए ईडब्ल्यूएस बनाया गया था, वे लोग जो सचमुच कमजोर हैं, जिन्हें सुविधाएँ नहीं मिलतीं, जिन्हें नसलों तक संघर्ष विरासत में मिलता है, पर अब उनके हिस्से पर भी प्रश्नचिह्न खड़ा हो गया है, प्रश्न यह नहीं कि किसी सक्षम परिवार ने आवेदन क्यों दिया, प्रश्न यह है कि वे ऐसा कर कैसे लेते हैं? क्या आय की सच्चाई को परखने की व्यवस्था इतनी कमजोर है? क्या तहसील कार्यालय प्रभावशाली नामों के आगे निरीह हो जाता है?

ईडब्ल्यूएस की शर्तें बेहद सख्त...पर आवेदन ने खड़े किए अनेक सवाल: ईडब्ल्यूएस प्रमाणपत्र उन्हीं लोगों को मिलता है जिनकी, वार्षिक पारिवारिक आय 8 लाख रुपये से कम हो, अचल संपत्ति निर्धारित सीमा से कम हो, परिवार का आर्थिक स्तर सचमुच कमजोर हो लेकिन जब एक ऐसा परिवार, जो वर्षों से बड़े पैमाने पर व्यापार में सक्रिय रहा हो और जिले की राजनीति में शीर्ष पदों तक प्रभाव रखता हो अपने बच्चे के लिए 'गरीब वर्ग' का प्रमाणपत्र मांगता है, तो सवाल उठना स्वाभाविक है।

क्या ईडब्ल्यूएस की पात्रता पूरी तरह कागज का खेल बन चुकी है?-

समाज का सबसे बड़ा सच यही है, जिन्हें सुविधा चाहिए, वे कतार में खड़े रहते हैं, जिन्हें सुविधा नहीं चाहिए, वे नियम मोड़कर आगे निकल जाते हैं, गरीब के लिए बनाई योजनाएँ यदि अमीरों के लिए शॉर्टकट बन जाएँ, तो यह सिर्फ अन्याय नहीं, शासन व्यवस्था की असफलता है, धनवान जब गरीबी खरीद लेते हैं, तो वास्तविक गरीबों के हिस्से की सीटें, छात्रवृत्तियाँ, नौकरियाँ, अवसर सब कुछ छिन जाता है, ईडब्ल्यूएस का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर सामान्य वर्ग को न्याय देना था, लेकिन जब संपन्न लोग भी इसे हथिया लेते हैं, तो यह नीति कमजोरों के लिए नहीं, बल्कि पहुँच वाले लोगों के लिए हथियार बन जाती है, प्रशासन, राजनीति और समाज तीनों को यह समझना होगा कि गरीबी प्रमाणपत्र बाँटना नहीं है, सुरक्षित रखना है, क्योंकि जब अमीर गरीब बन जाते हैं, तब गरीब के लिए सिर्फ एक शब्द बच जाता है अन्याय।

क्या सक्षम लोग झूठ बोलकर गरीब का हिस्सा छीन रहे हैं?

आवेदन को लेकर तहसील में चर्चा यही है कि यदि सक्षम लोग भी स्वयं को गरीब बताकर सरकारी लाभ उठाने लगेंगे, तो वास्तविक जरूरतमंदों का अधिकार कौन बचाएगा? यह खबर इसी वास्तविकता की ओर इशारा करती है कि आज सरकारी योजनाओं, छात्रवृत्तियों, नौकरियों और सेवाओं में आरक्षित अवसर पाने की होड़ में सक्षम लोग भी असक्षम होने का अभिनय करने लगे हैं।

ईडब्ल्यूएस प्रमाणपत्र...गरीबों का हक, लेकिन सक्षम की पहुँच में आसानी?

ईडब्ल्यूएस प्रमाणपत्र सामान्य वर्ग के आर्थिक रूप से कमजोर नागरिकों को मिलना चाहिए,ताकि उन्हें सरकारी सेवाओं में, शैक्षणिक संस्थानों में,शासकीय योजनाओं में आरक्षण और सहायता का लाभ मिल सके, लेकिन जब बड़े, संपन्न और प्रभावशाली लोग अपने बच्चों को 'आर्थिक रूप से कमजोर' घोषित कराते हैं, यह सिर्फ नैतिक विचलन नहीं–बल्कि अधिकार छीनने का अपराध जैसा व्यवहार माना जाता है।

पूर्ण जांच के बिना ईडब्ल्यूएस प्रमाण-पत्र जारी होना बड़ा खतरा

समाज में व्याप्त असमानता को कम करने हेतु बनी योजना तभी सार्थक है जब जांच निष्पक्ष हो,संपत्ति सत्यापन सख्त हो,प्रभाव के आगे नियम न टूटें,परंतु सक्षम परिवारों द्वारा आसानी से ईडब्ल्यूएस बनवा लिए जाने की घटनाएँ यह साबित करती हैं कि जिसके पास ताकत है,वह गरीबी भी खरीद लेता है।

सवाल जो इस आवेदन ने खड़े कर दिए

- **सवाल:** क्या संपन्न लोग झूठे आय-प्रमाण से 'गरीब कोटे' में जगह ले रहे हैं?
- **सवाल:** क्या तहसील कार्यालय प्रभावशाली लोगों के आवेदन पर ढीली जांच करता है?
- **सवाल:** क्या वास्तविक गरीबों का अधिकार बड़े परिवारों की पहुँच के कारण खतरे में है?
- **सवाल:** क्या यह आवेदन 'ईडब्ल्यूएस नीति' की विश्वसनीयता पर बड़ा प्रश्नचिह्न नहीं?
- **सवाल:** क्या यह मामला बड़े पैमाने पर होने वाले ईडब्ल्यूएस दुरुपयोग का सिर्फ एक नमूना है?

व्यापार समाचार

सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से सात का मार्केट कैप 96,201 करोड़ बढ़ा

नई दिल्ली,30 नवम्बर 2025। बीते सप्ताह सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से सात के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 96,200.95 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। सबसे ज्यादा फायदा रिलायंस इंडस्ट्रीज और बजाज फाइनेंस को हुआ। रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 28,282.86 करोड़ रुपये बढ़कर 21,20,335.47 करोड़ रुपये हो गया। बजाज फाइनेंस का मूल्यांकन 20,347.52 करोड़ रुपये बढ़कर 6,45,676.11 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इसके अलावा एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 13,611.11 करोड़ रुपये बढ़कर 15,48,743.67 करोड़ रुपये हुआ, जबकि आईसीआईसीआई बैंक 13,599.62 करोड़ रुपये बढ़कर 9,92,725.97 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। हिंदुस्तान

यूनिलीवर का बाजार मूल्यांकन 7,671.41 करोड़ रुपये बढ़कर 5,79,644.16 करोड़ रुपये हुआ। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का बाजार पूंजीकरण 6,415.28 करोड़ रुपये बढ़कर 9,04,185.15 करोड़ रुपये और इन्फोसिस का मूल्यांकन 6,273.15 करोड़ रुपये बढ़कर 6,47,961.98 करोड़ रुपये रहा। इस रुख के उलट भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 35,239.01 करोड़ रुपये घटकर 11,98,040.84 करोड़ रुपये रह गया। एलआईसी का मूल्यांकन 4,996.75 करोड़ रुपये घटकर 5,65,581.29 करोड़ रुपये और टीसीएस का पूंजीकरण 3,762.81 करोड़ रुपये घटकर 11,35,952.85 करोड़ रुपये पर आ गया। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। इसके बाद क्रमशः एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, टीसीएस, आईसीआईसीआई बैंक, एसबीआई, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और एलआईसी का स्थान रहा।

सोना और चांदी की बढ़ी चमक,एक सप्ताह में 21 हजार रुपये तक महंगी हो गई चांदी

नई दिल्ली,30 नवम्बर 2025। घरेलू सर्राफा बाजार में रविवार को जोरदार तेजी का रुख बना है। सोना 1,240 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,350 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। इसी तरह चांदी की कीमत में रविवार को 8,900 रुपये प्रति किलोग्राम तक की उछाल दर्ज की गई है। सोने की कीमत में तेजी आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना रविवार को 1,29,820 रुपये से लेकर 1,29,970 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना रविवार को 1,19,000 रुपये से लेकर 1,19,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। इसी तरह चांदी की कीमत में भी तेजी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में रविवार को 1,85,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। साप्ताहिक आधार पर देखा जाए तो सोमवार से शनिवार तक के कारोबार के दौरान मजबूती का रुख बनने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोने के भाव में 3,980 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की तेजी दर्ज की गई है। इसी तरह 22 कैरेट

सोना भी पिछले एक सप्ताह के दौरान 3,650 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। सोने की तरह ही चांदी के भाव में भी इस सप्ताह जबरदस्त तेजी आई है। इस सप्ताह के कारोबार में ये चमकीली धातु पिछले सप्ताह की तुलना में 21,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक महंगी हो गई है। दिल्ली में रविवार को 24 कैरेट सोना 1,29,970 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,19,150 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,29,820 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,19,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,29,870 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,19,050 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना रविवार को 1,29,820 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,19,000 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,29,820 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,19,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,29,870 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है,जबकि 22 कैरेट सोना 1,19,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना रविवार को 1,29,970 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,19,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,29,870 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,19,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,29,970 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,19,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक,तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी रविवार को सोने के भाव में तेजी दर्ज की गई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु,हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,29,820 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

एंड्राएड 16 आधारित हायपर ओएस 3 अपडेट पेश

नई दिल्ली,30 नवम्बर 2025। पोको कंपनी ने एंड्राएड 16 आधारित हायपर ओएस 3 अपडेट पेश कर दिया है। यह पोको, रेडमी और शाओमी स्मार्टफोन यूजर्स के लिए बड़ी खुशखबरी है। कंपनी का यह नया अपडेट न केवल फोन की परफॉर्मेंस में बड़ा सुधार करेगा, बल्कि बैटरी बैकअप,कैमरा क्वालिटी और एआई फीचर्स को भी पहले से कई गुना बेहतर बनाएगा। कंपनी का दावा है कि अपडेट इंस्टॉल करने के बाद पुराने स्मार्टफोन भी पहले की तुलना में दो गुना तेज काम करेंगे और यूजर एक्सपीरियंस अधिक स्मूथ होगा। हायपर ओएस 3 का रोलआउट अक्टूबर-नवंबर 2025 से शुरू हो चुका है और मार्च 2026 तक चरणबद्ध तरीके से सभी योग्य स्मार्टफोन्स में उपलब्ध कराया जाएगा। शुरुआती चरण में यह अपडेट पोको एफ 7,पोको एक्स7,रेडमी नोट 14 सीरीज और शाओमी 15टी सीरीज के लिए जारी किया गया है। इसके बाद कंपनी बाकी मॉडलों के लिए भी इसे उपलब्ध कराएगी। यूजर्स अपडेट के बाद फोन में तेज ऐप लॉन्चिंग,बेहतर वीडियो प्लेबैक और अधिक रेस्पॉन्सिव टच अनुभव महसूस कर पाएंगे।

महिंद्रा ने नई 3-रो इलेक्ट्रिक एसयूवी एक्सईवी 9 एस की लॉन्च

नई दिल्ली,30 नवम्बर 2025। स्वदेशी कंपनी महिंद्रा ने नई 3-रो इलेक्ट्रिक एसयूवी एक्सईवी 9एस को लॉन्च कर दिया है। कंपनी ने इसे सिर्फ 19.95 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) की शुरुआती कीमत पर पेश किया है, जो एक्सईवी 9 एस से 1.95 लाख रुपये सस्ती है। इसी के साथ यह देश की पहली मास-मार्केट 3-रो इलेक्ट्रिक एसयूवी बन गई है। इस ईवी की बुकिंग 14 जनवरी 2026 से शुरू होगी, जबकि डिलीवरी 23 जनवरी 2026 से दी जाएगी। टेस्ट ड्राइव की सुविधा 5 दिसंबर 2025 से उपलब्ध होगी।

नई एक्सईवी 9 एस, महिंद्रा के इंग्लो बॉर्न-ईवी प्लेटफॉर्म पर आधारित है, जिस पर बीई रेंज और एक्सईवी 9एस भी तैयार होती है। इसका डिजाइन मॉडर्न और बोल्ड लुक देता है। इसमें क्लोज्ड ग्रिल,फुल-लेंथ डीआरएलएस, ट्रायंगुलर एलईडी हेडलैंप, 2,762 एमएम व्हीलबेस,और 219 एमएम ग्राउंड क्लीयरेंस मिलता है। इसके साथ 527 लीटर का बूट स्पेस और 150 लीटर फ्रंक भी दिया गया है। इंटीरियर फीचर्स की बात करें तो एसयूवी में ट्रिपल-स्क्रीन सेटअप,सेकेंड रो ड्यूल स्क्रीन,

पैनोरमिक सनरूफ,एआर हेड-अप डिस्प्ले, 3-रो सिटिंग, हार्मन कार्डन साउंड सिस्टम, मल्टी-कलर एम्बियंट लाइट और ऑटो पार्किंग व अडास सेफ्टी सिस्टम जैसी प्रीमियम सुविधाएँ मिलती हैं। परफॉर्मेंस के मोर्चे पर एक्सईवी 9एस बेहद दमदार है। यह 79केडब्ल्यूएच बेरिएंट में 0-100 किमी/घंटा की रफ्तार सिर्फ 7 सेकंड में पकड़ लेती है। एक्सईवी 9एस का मुकाबला फिलहाल बीवायडी ईमैक्स 7, किआ कैरेंस क्लैविस ईवी और टाटा हैरियर ईवी से माना जा रहा है,लेकिन कीमत और 3-रो क्षमता के साथ यह सेगमेंट में एक बड़ा बदलाव लाने की तैयारी में है। कंपनी दावा करती है कि यह ईवी सिंगल चार्ज पर 670 किलोमीटर की रेंज देगी। इसके लिए 7.2 केडब्ल्यू और 11.2 केडब्ल्यू होम चार्जर क्रमशः रुपए 50,000 और रुपए 75,000 में उपलब्ध होंगे।

डालमिया सीमेंट को 266 करोड़ का टैक्स नोटिस साल 2019-20 और 2022-23 से जुड़ा है मामला

नई दिल्ली,30 नवम्बर 2025। डालमिया भारत की सब्सिडियरी कंपनी डालमिया सीमेंट (भारत) लिमिटेड को तमिलनाडु के सेल्स टैक्स डिपार्टमेंट ने दो बड़े शो-कॉज नोटिस (कारण बताओ नोटिस) भेजे हैं। कुल मिलाकर कंपनी पर 266.3 करोड़ रुपए के टैक्स और पेनल्टी का दावा किया गया है।

वजह क्या है : टैक्स विभाग को इन दो सालों में कंपनी के टैक्सेबल टर्नओवर (यानी बिक्री का वो हिस्सा जिस पर जीएसटी लगता है) और इनपुट टैक्स क्रेडिट में कुछ गड़बड़ लगी है। मतलब कंपनी ने जो बिक्री दिखाई और जो इनपुट क्रेडिट क्लेम किया, उसमें अंतर दिख रहा है। इसी को लेकर नोटिस जारी किया गया है। डालमिया भारत ने स्टॉक एक्सचेंज को दी जानकारी में साफ कहा है कि इन शो-कॉज नोटिस का कंपनी पर कोई फाइनेंशियल इम्पैक्ट नहीं होगा। यानी कंपनी को पूरा भरोसा है कि वो अपना पक्ष मजबूती से रखेगी और ये पैसा देना नहीं पड़ेगा। बीते 1 साल में डालमिया भारत का शेयर 13% चढ़ा है। 2025 साल की शुरुआत इसका शेयर 1,771 रुपए पर था, जो अब 2,010 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं बाते 6 महीने ने कंपनी के शेयर में 3% की गिरावट रही है।

एमसीबी प्रशासन का पहला बयान सही या दूसरा?

पूर्व विधायक गुलाब कमरों का तीखा सवाल

एसआईआर प्रक्रिया में ईपिक मैपिंग त्रुटि पर पूर्व विधायक का आरोप...मेरी जानकारी को ही भ्रामक बताया गया...

प्रशासन ने माना ईपिक नंबर तकनीकी खामी से धरमजयगढ़ (भाग-169) में दिखा...बाद में ठीक किया...

'गलती प्रशासन की, लेकिन भ्रामक मैं कैसे?' गुलाब कमरों ने प्रेस नोट जारी कर उठाए सवाल...

मतदाता सूची की शुचिता पर बड़ा मुद्दा...पूर्व विधायक का यह हाल, तो आम मतदाता कैसे बचेंगे?

-राजन पाण्डेय-
एमसीबी, 30 नवंबर 2025 (घटती-घटना)।

एमसीबी जिला प्रशासन का पहला बयान और दूसरा बयान दोनों में अंतर ने पूरे मामले को विवादास्पद बना दिया है, जब प्रशासन स्वयं गलती स्वीकार कर चुका है, तो पूर्व विधायक के सत्य बयान को भ्रामक बताने का ठोस आधार नजर नहीं आता,यह प्रकरण सिर्फ एक व्यक्ति का नहीं,बल्कि पूरे जिले के मतदाता अधिकारों से जुड़ा गंभीर मामला है जिस पर प्रशासन को स्पष्ट, तथ्यात्मक और जवाबदेह बयान देना होगा।

मतदाता सूची में एसआईआर प्रक्रिया के दौरान हुई तकनीकी त्रुटि ने एमसीबी जिले की राजनीति में नया विवाद खड़ा कर दिया है, पूर्व विधायक गुलाब कमरों (भरतपुर-सोनहत) ने जिला प्रशासन से साफ सवाल किया है जब प्रशासन खुद गलती स्वीकार कर रहा है, तो मेरे बयान को भ्रामक किस आधार पर कहा जा रहा है? पूरा विवाद तब शुरू हुआ जब पूर्व विधायक ने सोशल मीडिया पर पोस्ट डालकर बताया कि एसआईआर फॉर्म भरते समय उनका ईपिक नंबर धरमजयगढ़ के भाग संख्या 169 में मैपिंग दिखा रहा था,उन्होंने इसे गंभीर त्रुटि बताते हुए कहा था कि यदि एक पूर्व विधायक का रिकॉर्ड गलत जा रहा है, तो आम मतदाताओं का क्या होगा? उन्होंने साथ ही राहुल गांधी के वोट चोर-गद्दी चोर अभियान का हवाला देते हुए मतदाताओं को सतर्क रहने की अपील भी की थी,लेकिन पोस्ट के बाद कुछ यूट्यूब चैनलों और समाचारों में दावा किया गया कि पूर्व विधायक की बात गलत और भ्रामक है।

घटती घटना | कोरिया- सूरजपुर समाचार | अम्बिकापुर,शनिवार 29 नवम्बर 2025 | 5

जब पूर्व विधायक का नाम ही वोटर लिस्ट से गायब हो जाए...
तो आम नागरिक का लोकतंत्र किसके भरोसे?

भरतपुर सोनहत के पूर्व विधायक गुलाब कमरो का नाम मतदाता सूची से कटा
धरमजयगढ़ मे हो रही मैपिंग,एआरओ प्रभारी रविन पायलट ने की प्रेस कॉन्फ्रेंस

विधायक गुलाब कमरो ने इसे गम्भीर लापरवाही बताते हुए,मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को लिखा पत्र

कांग्रेस प्रभारी रविन पायलट और नेता प्रतिपक्ष डॉ चरणदास महंत ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर एस आई आर में गंभीर लापरवाही का लगाया आरोप

छत्तीसगढ़ कांग्रेस ने सोशल मीडिया हैंडल के जरिये बनाया बड़ा मुद्दा

इस मामले पर इनके विचार...

-राजन पाण्डेय-
एमसीबी, 28 नवंबर 2025 (घटती-घटना)।

जब तीन बार विधायक रहे व्यक्ति का नाम ही 'शिफ्ट' हो जाए तो आम मतदाता किस भरोसे वोट डाले?

सवाल नंबर 1: यह एक गलती है या एक पैटर्न?

सवाल नंबर 2: चुनाव आयोग चुप क्यों?

प्रशासन ने खुद की गलती मान ली...

प्रशासन द्वारा जारी खंडन में दावा किया गया कि पूर्व विधायक का बयान भ्रामक है, लेकिन इसी खंडन में प्रशासन ने यह भी स्वीकार किया कि तकनीकी त्रुटि के कारण पूर्व विधायक का पुराना ईपिक विवरण धरमजयगढ़ भाग-169 में मैपिंग दिखा रहा था,यह गलती पूर्व विधायक द्वारा 20 नवंबर को स्क्रीनशॉट भेजने पर सामने आई, 21 नवंबर को कलेक्टर ने मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को तकनीकी समाधान का पत्र भेजा, 26 नवंबर को ईसीआई ने बीएलओ ऐप में अन-मैपिंग सुविधा उपलब्ध कराई, उसी दिन उनका रिकॉर्ड वापस मनेन्द्रगढ़ विधानसभा (भाग 94, भलौर, क्रमांक 767) में सही कर दिया गया अर्थात प्रशासन ने गलती भी मानी और उसे सुधारा भी।

पूर्व विधायक का सवाल...फिर भ्रामक क्या?

गुलाब कमरों ने अब प्रेस नोट जारी करके पूछा है जब तकनीकी गलती प्रशासन की थी,जब उसे आपने ही सुधारा,तो फिर मेरा बयान भ्रामक कैसे हुआ? उन्होंने अपने बयान में कहा मैंने वही बताया जो मेरे सामने एसआईआर के दौरान दिख रहा था,मैंने जनता को जागरूक किया,यदि मैं आवेदन न देता तो मेरा नाम सही स्थान पर वापस नहीं जुड़ता,पूर्व विधायक ने यह भी पूछा क्या गलती करने वाले कर्मचारी/अधिकारी पर कोई कार्रवाई हुई? क्या कोई नोटिस जारी किया गया? यदि त्रुटि मान ली गई है, तो गलत सूचना फैलाने का ठप्पा क्यों?

बड़ा सवाल

यदि पूर्व विधायक का रिकॉर्ड गलत हो सकता है,तो आम मतदाता का क्या? गुलाब कमरों ने कहा कि मतदाता सूची की शुचिता लोकतंत्र की बुनियाद है,त्रुटि बताने वाले को दोषी बताना सबसे गलत परंपरा है, उन्होंने नागरिकों से अपील की एसआईआर फॉर्म अवश्य भरें,अपनी एंट्री की जांच करें,क्योंकि गलतियां प्रशासन से भी होती हैं।

विकास खंड खड़गवां में भारत स्काउट्स एवं गाइड्स का प्रशिक्षण शिविर आयोजन

-संवाददाता-
खड़गवां,30 नवंबर 2025 (घटती-घटना)।

भारत स्काउटस एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ विकास खंड खड़गवां जिला एम सी बी के अंतर्गत द्वितीय सोपान प्रशिक्षण सह जांच शिविर आज संपन्न हुआ। यहां दो स्थानों पर शिविर आयोजित किया गया था। शा. हाई स्कूल पैनारी जहां 187 तथा शा. उच्चतर माध्यमिक विद्यालय उधनापुर में 215 स्काउट्स एवं गाइड्स शामिल हुए। शिविर विद्यालयीन समयानुसार संचालित हुआ। इस शिविर में नियम, प्रतिज्ञा, बाएं हाथ मिलाना, स्काउट के इतिहास, बी पी सिक्स,मोटो,दिशा ज्ञान,अनुमान लगाना,प्राथमिक सहायता,खोज के चिन्ह,हाथ व सीटी के इशारे, पायनियरिंग,सिगनलिंग,योग जीवन उपयोगी गांठें बताया गया। शिविर के समापन अवसर पर विकास खंड शिक्षा अधिकारी पदेन सहायक जिला आयुक्त स्काउट श्री राम निवास मिश्रा,राज्य मुख्यालय आयुक्त शैलेंद्र मिश्रा,सरपंच राम लाल सिंह, तेरसिया सिंह, उपसरपंच विद्यासागर खांडे,बी आर सी ओम शंकर सिंह जी के अलावा संकुल अंतर्गत समस्त प्रधानपाठक एवं ग्रामीण जन उपस्थित रहे। दोनों शिविर के संचालन श्री दानबहादुर सिंह और एच पी आदित्य ने तथा प्रशिक्षण स्काउटर वंश गोपाल, डेगमन राम राजवाड़े,देवसिंह, सुनील विंधराज,कमलेश साहू, संतोष खूंटे,अनुभव गुप्ता गाइडर अंजु महंत और सरस्वती देवी ने दिया। दोनों शिविरों के सफल संचालन विकास खंड सचिव जितेन्द्र सिंह द्वारा किया गया।

राशन वितरण में चल रहा है गड़बड़झाला मृत हितग्राही भी उठा रहे हैं राशन

ग्राम पंचायत सिंघत में मृत हितग्राही के नाम से उठ रहा है राशन

-राजेन्द्र शर्मा-
खड़गवां,30 नवंबर 2025 (घटती-घटना)।

खाद्यान्न वितरण प्रणाली में भारी गड़बड़ी और भ्रष्टाचार की ग्राम पंचायत सिंघत में उजागर हो रही है ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि स्थानीय राशन दुकान द्वारा मृत व्यक्ति के नाम के राशन कार्ड से पिछले कई वर्षों तक राशन का उठाव किया गया है इसको हटाने में प्रशासनिक निगरानी और परिदृश्य व्यवस्था की गंभीर कहानी को उजागर कर दिया मामला ग्राम पंचायत सिंघत का है ग्रामीण का कहना है की मृत्यु लगभग दो तीन वर्ष पूर्व हो चुकी है इसके बावजूद राशन दुकान संचालक और सरपंच तात्कालिक सचिव के द्वारा मृतक के नाम पर बीते तीन से चार वर्षों से राशन उठाया किया जा रहा है। इस ग्राम पंचायत सिंघत निवासी मृत महिलाओं के नाम से ग़रीबी रेखा के राशन उठाव हो रहा है अब सवाल यह उठता है कि मृत महिला के नाम पर राशन कैसे उठा और पोस मशीन में किसका फिंगर प्रिंट लिया गया है।

सूत्रों से जानकारी मिल रही है कि नामिनी के रूप में दूसरे परिवार के व्यक्ति का नाती पोता बनकर नाम जुड़वाया और उसी के अंगूठे का सत्यापन किया गया। इस ग्राम पंचायत सिंघत में पति-पत्नी के नाम पर अलग अलग राशन कार्ड से खाद्यान्न उठा रहे हैं ग्रामीण क्षेत्र में सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने के लिए लोग किस हद तक नियमों की अनदेखी कर रहे हैं कि यहां एक ही घर में साथ रहने वाले पति-पत्नी ने अलग अलग राशन कार्ड बनवा रखे हैं और दोनों ही सरकारी खाद्यान्न योजना के तहत अलग-अलग खाद्यान्न प्राप्त कर रहे हैं पति के नाम से बने राशन कार्ड से हर महीने 35 किलो खाद्यान्न लिया जा रहा है वहीं पत्नी के नाम पर भी अलग राशन कार्ड बनाकर उसे भी नियमित रूप से खाद्यान्न प्रदान किया जा रहा है इस प्रकार एक ही परिवार दो दो बार लाभ प्राप्त कर रहा है जो स्पष्ट रूप से नियमों का उलंघन है यह मामला न केवल सरकारी संसाधनों के दुरूपयोग का है बल्कि उन पात्र परिवारों के साथ अन्याय भी है जिन्हें वास्तव में इस योजना की जरूरत है?

नॉमिनी की आड में चल रहा है भ्रष्टाचार का बडा खेल

जबकि नॉमिनी योजना का उद्देश्य था कि 10 वर्ष से कम उम्र के बच्चे और 60 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्ग और दिव्यांगजन जो स्वयं राशन लेने नहीं आ सकते हैं वे अपने किसी परिजन को नॉमिनी बनाकर राशन ले सके लेकिन इस योजना की आड में अब मृत व्यक्तियों के नाम पर कार्ड बनाकर खाद्यान्न हड़पने का खेल चल रहा है। इस संबंध में तात्कालिक सचिव के मोबाइल नंबर पर कई बार संपर्क करने की कोशिश की गई उसने फोन रिसिव नहीं किया?

गोंडवाना गणतंत्र पार्टी का सदस्यता अभियान रायपुर से हुआ तेज

2028 विधानसभा चुनाव को लेकर पूरे प्रदेश में बढ़ी हलचल

-संवाददाता-
कोरिया,30 नवंबर 2025 (घटती-घटना)।

गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने छत्तीसगढ़ में अपनी जमीनी मौजूदगी को मजबूत करने और 2028 विधानसभा चुनाव की तैयारियों को गति देने के लिए सदस्यता अभियान को राज्यव्यापी मिशन का रूप दे दिया है,रायपुर से शुरू हुआ सदस्यता अभियान रायपुर मिशन 2028 एवं पीला क्रांति मिशन 2028 अब पूरे प्रदेश में तेज रफ्तार से चल रहा है, प्रदेश उपाध्यक्ष गुरु केवल प्रकाश साहब जी और प्रदेश महामंत्री निलेश पांडे जी के नेतृत्व में देवपुरी, रायपुर में आयोजित भव्य कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर संगठन को नई ऊर्जा प्रदान की।

सदस्यता अभियान में नए चेहरे शामिल,पार्टी को मिला नया

आधार- कार्यक्रम में प्रमुख रूप से वीरेंद्र टोड़र जी, कुलदीप भतपहरी जी,धरम दास (अविनाश) कोसले जी ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की,इनके शामिल होने को संगठन ने गोंडवाना गणतंत्र पार्टी की भविष्य की राजनीतिक रणनीति के लिए महत्वपूर्ण माना है।

पार्टी का दावा:2028 में छत्तीसगढ़ के राजनीतिक समीकरण बदलेंगे

कार्यक्रम के दौरान निलेश पाण्डेय ने कहा कहा कि गोंडवाना गणतंत्र पार्टी छत्तीसगढ़ में एक बड़ी राजनीतिक ताकत बनने की दिशा में काम कर रही है, 2028 में बदलाव की भूमिका हम आज से तैयार कर रहे हैं, नेताओं ने यह भी स्पष्ट किया कि मिशन 2028 का उद्देश्य सिर्फ राजनीतिक विस्तार नहीं, बल्कि सामाजिक जागरूकता, जनसंपर्क और संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करना है।

पीला क्रांति मिशनः राजनीतिक नहीं,सामाजिक बदलाव की पहल

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वरिष्ठ नेताओं ने कहा पीला क्रांति मिशन 2028 सिर्फ राजनीतिक अभियान नहीं, बल्कि समाज में नई सोच और जागरूकता लाने का प्रयास है,उन्होंने कहा कि नए चेहरों के जुड़ने से जनता से संवाद और मुद्दों की लड़ाई और अधिक सशक्त होगी।

आने वाले महीनों में और तेज होगा अभियान

पार्टी नेतृत्व ने घोषणा की कि रायपुर सहित पूरे प्रदेश में लगातार बड़े सदस्यता अभियान आयोजित किए जाएंगे,हर वर्ग,हर समुदाय और हर क्षेत्र के लोगों को जोड़कर मजबूत संगठनात्मक ढांचा तैयार किया जाएगा, मिशन 2028 में गोंडवाना गणतंत्र पार्टी जमीन से लेकर विधानसभा तक अपनी ताकत दिखाने की तैयारी में है।

संगठन का उत्साह,ऐतिहासिक दिन, 2028 की नींव

कार्यक्रम को पार्टी ने ऐतिहासिक करार देते हुए कहा कि यह आयोजन मिशन 2028 की सफलता की ठोस नींव माना जाएगा।

सार्वजनिक सूचना

मै बजरंग अग्रवाल निवासी मायापुर, अम्बिकापुर जो कि मेरे पिता का नाम कुछ दस्तावेजों (जैसे आधार कार्ड और पैन कार्ड) में शंकर लाल अग्रवाल [Sankar Lal Agarwal] दर्ज है।
मेरी कक्षा 10 वीं की अंकतालिका (Marksheet) में मेरे पिता का नाम शंकरलाल अग्रवाल [Shankarlal Agarwal] लिखा हुआ है।
शंकर लाल अग्रवाल [Sankar Lal Agarwal] और शंकरलाल अग्रवाल [Shankarlal Agarwal] दोनों नाम एक ही व्यक्ति को संदर्भित करते हैं, जो मेरे वास्तविक पिता हैं।
4. मेरे पिता का सही एवं वास्तविक नाम शंकर लाल अग्रवाल [Sankar Lal Agarwal] है!

आवेदक
बजरंग अग्रवाल
पता- मकान क्रं.130द, पीपलमार्ग,मायापुर,गुरूद्वारा वार्ड नं-36,अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा,छत्तीसगढ़

न्यायालय तहसीलदार/कार्यपालिक दण्डाधिकारी रामानुजनगर, जिला-सूरजपुर,छ0ग0

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0... /ब-121 /25-26

आम जनता ग्रामवासी ग्राम पटना को सूचित किया जाता है कि रामनारायण सिंह आ0 श्री नाहर सिंह जाति - गोंड़ निवासी ग्राम पटना थाना रामानुजनगर तहसील रामानुजनगर जिला- सूरजपुर (छ ग) द्वारा अपने (बाबा) सजीवन आ0 शोभित का मृत्यु दिनांक 19/02/2015 (उन्नीस फरवरी दो हजार पन्द्रह) के होने से अपने बाबा सजीवन आ0 शोभित का मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त करने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है, जिसपर कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। जिस किसी आम जनता/ ग्रामवासियों को आपत्ति/आक्षेप हो,वह अपना आपत्ति दिनांक 03/12/2025 को इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है, नियत तिथि के पश्चात् कोई विचार नहीं किया जायेगा एवं अग्रिम कार्यवाही कर दी जावेगी।

आज दिनांक 19/11/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा से जारी किया गया है।

(सील) तहसीलदार/कार्यपालिक दण्डाधिकारी रामानुजनगर, जिला-सूरजपुर छ0ग0

CMYK

राजनीति में नई परंपरा: भीड़ से अलग 'अपनी पहचान' की तलाश

राजनीति में 'मैं' का उभार, 'हम' को कमजोर कर रहा है

"राजनीति का नया रोग — व्यक्तिगत पहचान की भूख"

» राजनीति का बदलता स्वरूप...हर कार्यकर्ता अब अपनी अलग पहचान गढ़ने में जुटा

» पार्टी कार्यक्रम हो या बड़े नेताओं का दौरा...स्वागत में भी दिख रही 'व्यक्तिगत ब्रांडिंग' की होड़...

» भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के कोरिया आगमन पर भी दिखा नया चलन...कुछ कार्यकर्ता अलग खड़े होकर करते दिखे स्वागत

» जिलाध्यक्ष के नेतृत्व वाले सामूहिक आयोजन से कुछ कार्यकर्ताओं ने बनाई दूरी, प्रदेश अध्यक्ष का अलग से स्वागत कर दर्ज कराई 'अपनी पहचान'

-रवि सिंह-

कोरिया/एमसीबी,30 नवंबर 2025 (घटती-घटना)।

राजनीति का स्वरूप बदला है,अब दल,संगठन और सामूहिक अनुशासन पीछे छूट रहे हैं,और आगे बढ़ रही है व्यक्तिगत पहचान,व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा और बड़े नेताओं तक सीधे पहुँच की चाहत,कोरिया जिले में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के आगमन के दौरान इसका सबसे साफ़ दृश्य सामने आया,जब संगठन के सामूहिक स्वागत कार्यक्रम के समानांतर कुछ कार्यकर्ताओं ने अपनी पहचान दर्ज कराने के लिए अलग से स्वागत आयोजन कर डाला,राजनीति में अब अनुशासन कहने की बात मात्र रह गई है,राजनीति में नई परंपरा की शुरुआत हुई है और वह है व्यक्तिगत पहचान की,व्यतिगत महत्वाकांक्षा सभी की अपनी इतनी हावी है कि हर कोई खुद की अलग पहचान और पार्टी में भी खुद के अलग स्थान के लिए प्रयासरत है और अब माध्यम के सहारे कोई नहीं रहना चाहता हर कोई व्यतिगत ही आगे की राजनीतिक राह तय करना चाहता है,भाजपा जैसे राष्ट्रीय राजनीतिक दल में भी अब अनुशासन केवल कहने की बात रह गई है और भाजपा में भी अब व्यक्तिगत महत्वकांक्षा और व्यक्तिगत पहचान और व्यक्तिगत स्थान के लिए प्रयास नजर आने लगा है,ऐसा ही मामला कोरिया जिले में भी देखने को मिला जब भाजपा प्रदेश अध्यक्ष कोरिया जिले से गुजरने वाले थे और जिलाध्यक्ष भाजपा के नेतृत्व में पार्टी ने उनके स्वागत की भव्य तैयारी की थी और जिलेभर के भाजपाइयों का आह्वान किया था,एक तरफ भाजपा जिलाध्यक्ष का प्रदेश अध्यक्ष के सामूहिक स्वागत का आह्वान था एक तरफ व्यक्तिगत पहचान की तलाश थी,खुद के लिए स्थान की दरकार थी,भाजपा जिलाध्यक्ष ने जहां खरवत चौक में सामूहिक स्वागत का इंतजाम किया था वहीं एक गुट 10 लोगों का अलग से खरवत चौक से पहले खड़ा था,प्रदेश अध्यक्ष कोरिया जिले में प्रवेश किए और उन्होंने पहले 10 लोगों के स्वागत को रुककर स्वीकार किया और फिर आगे बढ़कर वह भाजपा जिलाध्यक्ष के द्वारा स्वागत लिए निर्धारित जगह पर पहुंचे और वहां उनका सैकड़ों भाजपाइयों ने स्वागत किया,कुल मिलाकर एक तरफ सैकड़ों की भीड़ थी इसलिए भी 10 लोगों ने प्रदेश अध्यक्ष को सैकड़ों की भीड़ से पहले रोका और स्वागत किया जिससे प्रदेश अध्यक्ष से उनकी मुलाक़ात ऐसी मुलाकात साबित हो जहां वह अपनी पहचान बता सकें और उनके स्मरण में वह स्थान बना सकें,वैसे देखा जाए तो जिन्होंने प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत पहले किया उन्होंने इसलिए भी ऐसा किया क्योंकि सैकड़ों की भीड़ में वह व्यक्तिगत परिचय से प्रदेश अध्यक्ष को अवगत नहीं करा पाते और भीड़ में केवल वह फुल गुलदस्ता देकर ही स्वागत कर पाते,अलग से स्वागत के दौरान उन्हें अपनी बातें खुलकर सामने रखने का मौका मिला होगा और इस दौरान नेतृत्व की कोई रोक टोक नहीं रही होगी जो उनके लिए सहजता का विषय रहा होगा।

राजनीति का नया रोग...व्यक्तिगत पहचान की भूख

भारतीय राजनीति हमेशा से सामूहिक सोच,संगठनात्मक अनुशासन और साझा नेतृत्व की नींव पर खड़ी मानी गई है,लेकिन पिछले कुछ वर्षों में राजनीति का चरित्र बदला है,और इतना बदला है कि अब यह बदलाव एक नए राजनीतिक रोग की तरह फैलता दिखाई दे रहा है,यह रोग है, व्यक्तिगत पहचान की भूख,पहले नेता भीड़ को संगठित करते थे,आज भीड़ के बीच अपनी अलग पहचान बनाए रखने की होड़ चल रही है। पहले दल तय करता था कि कौन कहाँ खड़ा होगा, कौन स्वागत करेगा, कौन भाषण देगा। आज हर व्यक्ति चाहता है कि नेता पहले उसे पहचाने, उसी की ओर देखे,और उसी को याद रखे।

नेता तक पहुँचने का शॉर्टकट.... भीड़ से अलग खड़े हो जाओ...

किसी बड़े नेता का दौरा हो,किसी पार्टी कार्यक्रम में भीड़ जुटे...अब तस्वीरें साफ दिखाई देती हैं, एक तरफ संगठन की भीड़ दूसरी तरफ 10-12 लोगों का छोटा समूह जो अलग से गाड़ी रोककर स्वागत करता है, इसी छोटे समूह का मकसद होता है बड़ा नेता मेरा चेहरा पहचान ले, यह कोई साधारण फोटो-ऑपरेशन नहीं है,बल्कि अपनी राजनीतिक पहचान गढ़ने का नया फॉर्मूला बन चुका है, पार्टी का सामूहिक आह्वान अब केवल औपचारिकता रह गया है,जबकि असल राजनीतिक महत्वाकांक्षा अपनी स्वतंत्र जगह बनाना चाहती है।

कांग्रेस से भाजपा तक...गुट नहीं, 'ब्रांड मैं' का दौर

जिस परंपरा को कभी कांग्रेस की गुटबाजी कहा जाता था,आज वह भाजपा सहित हर दल में एक आम तस्वीर बन चुकी है, यह अब गुटबाजी नहीं है,यह है...व्यक्तिगत ब्रांड निर्माण की राजनीति हर कार्यकर्ता अपनी फोटो,अपना स्वागत,अपना गुलदस्ता,अपनी पहचान चाहता है, और नेता भीड़ में पहचान नहीं पाता...यह नई मानसिकता का ईंधन बन चुकी है।

युवाओं में सबसे तेज़...भीड़ नहीं बनेंगे, भीड़ के नेता बनेंगे

आज राजनीति युवाओं का पसंदीदा करियर है,लेकिन युवा अब विचारधारा से नहीं,पहचान से राजनीति शुरू करते हैं,उन्हें लगता है कि विधायक उन्हें पहचानें, मंत्री उन्हें पहचानें, प्रदेश अध्यक्ष उन्हें पहचानें, पहचान न मिली तो वे अलग खड़े हो जाएंगे, अलग आयोजन कर देंगे अलग स्वागत कर देंगे, इस मानसिकता ने राजनीति की पूरी संरचना को हिला दिया है।

संगठन का अनुशासन बनाम व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा

राजनीति में सामूहिकता एक ताकत है,व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा भी जरूरी है,लेकिन जब महत्वाकांक्षा संगठन पर हावी होने लगे,जब हर यात्रा पर दो-दो स्वागत हों,जब हर कार्यक्रम दो हिस्सों में बँट जाए,तो समझ लीजिए कि संगठन की शक्ति समाप्त होने लगी है और व्यक्तिगत पहचान का रोग गहराता जा रहा है, यह रोग भाजपा जैसी अनुशासित पार्टी के लिए भी एक चेतावनी है।

अब यह चलन कहाँ रुकेगा?

राजनीति आज जिस मोड़ पर खड़ी है, वहां यह सवाल सबसे बड़ा है क्या राजनीतिक पहचान भीड़ में रहकर नहीं बनाई जा सकती? क्या संगठन की ताकत व्यक्तिगत आकांक्षाओं के आगे झुकती जाएगी? क्या हर नेता के दौरे पर अब दो-दो मंच बनेंगे? अगर यह चलन नहीं रुका, तो आने वाले समय में पार्टी कार्यक्रम नहीं होंगे, व्यक्तिगत स्वागत-सभा होंगी।

भीड़ में नेता नहीं पहचानते...इसलिए टुकड़ों में स्वागत का चलन बढ़ा

प्रदेश अध्यक्ष के इस दौरे ने एक बात बिल्कुल साफ कर दी अब राजनीतिक स्वागत सिर्फ औपचारिकता नहीं, बल्कि व्यक्तिगत ब्रांडिंग का हथियार बन चुका है, जिलाध्यक्ष के सामूहिक कार्यक्रम से अलग 10 लोगों का अलग आयोजन इस बात का संकेत है कि नेता की नज़र में अपनी जगह बनाना,अब युवा राजनीति की सबसे बड़ी प्राथमिकता है,और यही वजह है कि आगे भी बड़े नेताओं के आगमन पर संगठनात्मक मंच अलग और व्यक्तिगत पहचान वाले छोटे-छोटे मंच नज़र आते रहेंगे।

राजनीति में 'मैं' का उभार, 'हम' को कमजोर कर रहा है

व्यक्तिगत पहचान की भूख एक छोटे स्वार्थ से शुरू होती है लेकिन संगठन को अंदर से खोखला करने तक पहुँच जाती है, राजनीति 'हम' से चलती है, लेकिन आज का चलन 'मैं' की परिक्रमा कर रहा है, यह रोग फैलेगा तो संगठन टूटेंगे, अनुशासन समाप्त होगा, और राजनीति व्यक्तिगत ब्रांडिंग के बाजार में बदल जाएगी, यह समय है दल, संगठन और नेतृत्व को इस नई राजनीतिक बीमारी को पहचानने और रोकने का, वरना राजनीति का भविष्य सिर्फ एक शब्द में सिमट जाएगा...'मैं'।

पहले अलग स्वागत,फिर मुख्य आयोजन

जिलाध्यक्ष भाजपा के नेतृत्व में खरवत चौक पर भव्य स्वागत की तैयारी थी। परंतु उससे ठीक पहले, करीब 10 लोगों का अलग समूह प्रदेश अध्यक्ष के वाहन को रोककर उनका स्वागत करने खड़ा दिखाई दिया, प्रदेश अध्यक्ष ने पहले इन्हीं 10 लोगों का स्वागत स्वीकार किया,फिर आगे बढ़कर भाजपाइयों की बड़ी भीड़ वाले मुख्य कार्यक्रम में पहुंचे, दो स्वागत दो संदेश, संगठन का सामूहिक कार्यक्रम, व्यक्तिगत पहचान का समानांतर आयोजन यही वह बदलता राजनीतिक चलन है, जिसने अब भाजपा को भी अपनी चपेट में ले लिया है।

सैकड़ों की भीड़ में पहचान खोने का डर...अलग आयोजन में 'डायरेक्ट कनेक्ट'

विश्लेषक इसे एक साधारण गुटबाज़ी नहीं मानते। यह रणनीतिक कदम है,भीड़ में फूल देकर फोटो खिंचाना आसान है,पर व्यक्तिगत परिचय वहां संभव नहीं, अलग मंच पर प्रदेश अध्यक्ष से अपनी बात कहने,अपना परिचय देने,अपनी राजनीतिक भूमिका बताने का मौका सहजता से मिल जाता है,असल में,यह नेता मुझे पहचाने वाली महत्वाकांक्षा का आधुनिक सूत्र है।

परंपरा कांग्रेस से शुरू...अब भाजपा में भी वही मॉडल

इस प्रवृत्ति का बीज कांग्रेस शासनकाल में पड़ा था, जहाँ बड़े नेताओं के दौरे पर अलग-अलग स्वागत...अलग-अलग गुट...अलग-अलग मंच आम बात थी,अब भाजपा में भी वही परंपरा दिख रही है,यह सिर्फ गुटबाजी नहीं,बल्कि स्वतंत्र राजनीतिक पहचान गढ़ने का नया फॉर्मूला है।

सवाल बड़ा है: यह चलन कहाँ जाकर रुकेगा?

भाजपा को हमेशा अनुशासन की मिसाल माना जाता रहा है,लेकिन अलग-अलग स्वागत,अलग अलग मंच,अलग-अलग पहचान वाले आयोजन पार्टी के सामूहिक ढांचे के लिए खतरा बनते जा रहे हैं,राजनीति में यह नई परंपरा कितनी आगे जाएगी,यह संगठन खुद भी अब नहीं कह सकता।

युवा राजनीति में 'सीधी पहचान' की भूख

आज राजनीति युवाओं का सबसे पसंदीदा कैरियर बन चुका है,युवा अब भीड़ का हिस्सा नहीं,भीड़ का नेतृत्व बनना चाहते हैं,उन्हें लगता है कि मुख्यमंत्री हो,मंत्री हों या संगठन के बड़े नेता...सबको उनका चेहरा,उनका नाम याद रहना चाहिए,यह मनोविज्ञान उन्हें संगठनात्मक आह्वान से हटकर अलग आयोजन करने की तरफ धकेल रहा है, कोरिया का यह ताज़ा उदाहरण उसी मानसिकता का परिणाम है।

C M Y K

अक्षय कुमार को कचरा समझते थे फिल्ममेकर्स

इस शख्स ने चमकाई थी खिलाड़ी कुमार की किस्मत

अक्षय कुमार एक ऐसे एक्टर हैं जिन्होंने बिना किसी फिल्मी बैकग्राउंड के बॉलीवुड में एक बड़ा मुकाम हासिल किया है। अपने करियर में उन्हें कई उतार-चढ़ाव देखने को मिले हैं। हालांकि एक दौर खिलाड़ी के करियर में ऐसा भी आया था जब उनकी फिल्में चल नहीं रही थीं और फिल्ममेकर्स उन्हें कचरा कहकह बुलाने लगे थे।

बॉलीवुड में सुपरहिट होने से पहले अक्षय कुमार ने एक मुश्किल दौर देखा है, जिसमें लगातार असफलताएं, रुके हुए प्रोजेक्ट्स और इंडस्ट्री से सपोर्ट ना मिलना तक शामिल है। फिल्ममेकर सुनील दर्शन ने हाल ही में अक्षय कुमार के स्ट्रगल वाले दिनों के बारे में जिक्र किया और कुछ अनसुने खुलासे किए। उन्होंने जानवर बनाने के दौरान एक्टर के साथ मिलकर काम किया था।एक इंटरव्यू में सुनील दर्शन ने 1990 के दशक के आखिर में अक्षय को लेकर इंडस्ट्री के शक की गहराई के बारे में बताया। उनके मुताबिक, कई असफल फिल्मों के बाद कई प्रोड्यूसर्स ने एक्टर के साथ काम करने से मना कर दिया था। दर्शन ने कहा, जानवर के दौरान, अक्षय के साथ मेरी अच्छी दोस्ती थी। उनका एक ऐसा दौर था जब उन्हें रिजेक्ट किया गया था और उनका मजाक उड़ाया गया था। आज के बड़े फिल्ममेकर्स की उस समय यह राय थी कि अक्षय कचरा या बकवास हैं। उन्हें कोई इज्जतदार नहीं समझता

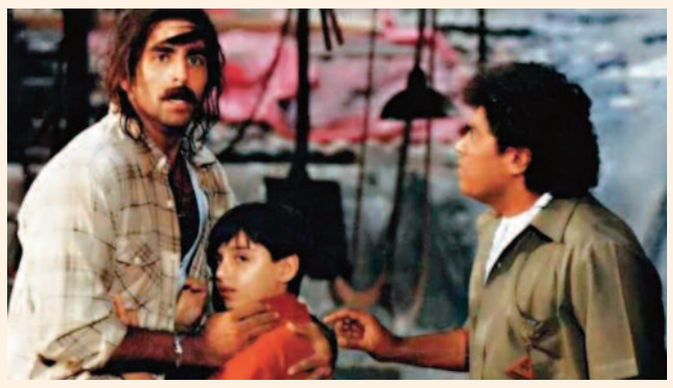

था। उस समय धड़कन रुक गई थी,हेरा फेरी बंद हो गई थी और मुझे लगता है कि उनकी कोई भी फिल्म अच्छा नहीं कर रही थी। इसलिए फिल्में आगे नहीं बढ़ रही थीं।

रोने लगे थे अक्षय कुमार

नेगेटिविटी के बावजूद, दर्शन ने अक्षय में पक्का इरादा देखा और उन्हें सपोर्ट करते रहे उन्हें भरोसा था कि उनका टैलेंट आखिरकार निखर कर आएगा। दर्शन ने आगे एक दर्दनाक घटना याद की जिससे अक्षय बहुत परेशान हो गए थे। उन्होंने बताया एक्टर एक दिन उनके ऑफिस में आए, एक प्रोड्यूसर के बुरे बर्ताव से साफ तौर पर हिल गए थे,जिसकी फिल्म रिलीज होने वाली थी। दर्शन ने बताया, हमारे सामने एक फिल्म आई थी। एक दिन अक्षय मेरे ऑफिस आए और बहुत परेशान थे। वह रो रहे थे और उन्होंने बताया कि वह प्रोड्यूसर के पास गए थे, फिल्म शुक्रवार को रिलीज होनी थी और उसका एक भी पोस्टर नहीं लगा था। प्रोड्यूसर ने उनसे बहुत बुरी तरह बात की और दिल तोड़ने वाली बातें कहीं।

इस फिल्म से किया जोरदार कमबैक

अक्षय की कमजोरी देखकर फिल्ममेकर ने तुरंत एक्शन लिया। उन्होंने डिजाइनर राहुल नंदा से बात की और उनसे जुहू सर्कल पर सबसे खास होर्डिंग स्पेस सिर्फ अक्षय की फिल्म जानवर के लिए बुक करने को कहा। उन्होंने आगे कहा, हम नहीं चाहते थे कि अक्षय का हौसला टूटे क्योंकि इससे मुझ पर असर पड़ता। यह कोशिश काम कर गई। हालांकि जानवर ने मुंबई में ठीक-ठाक शुरुआत की, लेकिन दूसरी जगहों पर इसे जबरदस्त सफलता मिली। दर्शन ने कहा, जानवर रिलीज हुई और शुरुआत में मुंबई में इसका रिस्पॉन्स ठंडा रहा, लेकिन क्रमें इसकी शुरुआत जबरदस्त रही और बिहार में यह ऑल-टाइम हिट रही। जानवर ने अक्षय का जबरदस्त कमबैक करवाया।

बिग बॉस-19 से अशनूर के एविक्शन पर भड़कीं सुंबुल तौकीर

कहा...रूल सिर्फ बहाना है,तान्या ने धक्का मारा था, तब क्या आंखों में पट्टी बांधकर बैठे थे...

पॉपुलर रियलिटी शो बिग बॉस 19 के फिनाले से ठीक एक हफ्ते पहले वायलेंस करने के आरोप में अशनूर कौर को शो से एविक्ट कर दिया गया है। अशनूर के एविक्शन के बाद अब बिग बॉस की पूर्व कंटेस्टेंट रहीं सुंबुल तौकीर भड़क गई हैं। उन्होंने इस फैसले को गलत बताया है।

सुंबुल ने अपने ऑफिशियल सोशल मीडिया अकाउंट से एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें तान्या मित्तल अशनूर के साथ धक्का-मुक्की करते हुए नजर आ रही हैं। इस वीडियो के साथ सुंबुल लिखती हैं

इसके बाद अगली स्टोरी में सुंबुल ने ये भी साफ किया है कि वो वायलेंस को सपोर्ट नहीं करती हैं, बल्कि वो शो की हिपोक्रेसी के खिलाफ आवाज उठा रही हैं। उन्होंने लिखा,इससे पहले कि कोई मुझ पर आए और कहे कि मैं हिंसा को सपोर्ट कर रही हूं,तो सुन लो,अशनूर का एविक्शन तभी फेयर होता अगर हर हाथ उठाने वाले कंटेस्टेंट को बाहर किया जाता। मैं बात कर रही हूं इस पाखंड (हिपोक्रेसी) की। अचानक से नियम इतने प्यारे कैसे हो गए?

अशनूर पर लगे थे तान्या को मारने के आरोप

दरअसल,हाल ही में बिग बॉस 19 में टिकट टू फिनाले टास्क रखा गया था। टास्क के अनुसार, हर कंटेस्टेंट को गले में लकड़ी का पल्ला रखना था, जिसमें पानी के दो बर्तन बांधे गए थे। कंटेस्टेंट को वो पानी लेकर ट्रैक पार करना था,जबकि दूसरे कंटेस्टेंट्स को उन्हें रोकने की कोशिश करनी थी।

जब अशनूर ट्रैक पर पहुंचीं, तो तान्या मित्तल और शहबाज उनके बर्तन खाली करने की कोशिश कर रहे थे। जैसे ही अशनूर के बर्तन से पानी गिरा, उन्होंने पूरी ताकत के साथ गले पर रखा हुआ लकड़ी का पल्ला तान्या की ओर फेंका,जो उनकी गर्दन पर आकर लगा।

तान्या पल्ला लगते ही शॉक हो गईं और ये देखकर वहां मौजूद शहबाज की भी चीख निकल गई। इसके बावजूद अशनूर का बिहेवियर सख्त रहा और उन्होंने कहा कि ये जानबूझकर नहीं किया। शो से टास्क का वीडियो सामने आने के बाद से ही शो के फैंस वायलेंस करने पर अशनूर को एविक्ट किए जाने की मांग कर रहे थे। अशनूर के खिलाफ तुरंत कोई एक्शन नहीं लिया गया, हालांकि वीकेंड का वार एपिसोड में सलमान खान ने ये मुद्दा उठाया और घर का नियम तोड़ने पर **अशनूर को शो से बाहर कर दिया।**

शो से जाते हुए अशनूर बेहद भावुक नजर आईं। वो फूट-फूटकर रो पड़ीं और उन्होंने घर में रहने की इच्छा जाहिर की, हालांकि उन्हें शो छोड़ना पड़ा। बता दें कि गौरव खन्ना ने टिकट टू फिनाले टास्क जीतकर फिनाले वीक में जगह बना ली है। अशनूर के अलावा शहबाज को भी शो से एविकट किया जा रहा है। वीकेंड के बाद अब अमाल मलिक, तान्या मित्तल, मातली चहर, फरहाना भट्ट, प्रणीत मोरे, गौरव खन्ना फिनाले में पहुंचे हैं।

थियेटर में भीड़ ने कृति सेनन को घेरा तो धनुष को बनना पड़ा बॉडीगार्ड

सामने आया वीडियो,लोग बोले...ये है जेंटलमैन

कृति सेनन और धनुष स्टारर फिल्म तेरे इश्क में बीते शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। फिल्म रिलीज के बाद ही लोगों ने इसकी तारीफ की है। साथ ही धनुष के साथ कृति सैनन की कैमिस्ट्री भी खूब जम रही है। हालांकि क्रिटिक्स को फिल्म खास पसंद नहीं आई है। हाल ही में धनुष और कृति सेनन मुंबई के फेमस गैटी गैलेक्सी में अपनी फिल्म देखने पहुंचे थे। यहां बड़ी संख्या में फैन्स भी मौजूद थे। जैसे ही लोगों ने कृति सेनन के साथ धनुष को देखा तो घेर लिया। लोगों ने सेल्फी खिंचाने की गुजारिश की और दोनों स्टार भीड़ से घिर गए। ऐसे में धनुष को कृति सेनन का बॉडीगार्ड बनना पड़ा और सुरक्षित भीड़ से बाहर निकाला। इसका वीडियो भी सामने आया है जिसे देखकर लोगों ने धनुष की जैन्टलनेस की तारीफ की है।

बॉक्स ऑफिस पर हिट होगी फिल्म?

डायरेक्टर आनंद एल राय की ये फिल्म काफी सुर्खियों में रही थी। इससे पहले धनुष के आनंद एल राय ने रांझणा बनाई थी और लोगों का दिल जीत लिया था। धनुष और सोनम कपूर स्टारर ये फिल्म लोगों के दिलों में बस गई थी और बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट रही थी। इस बाद आनंद एल राय धनुष के साथ कृति सेनन को पर्दे पर लेकर आए हैं। खास बात ये है इस बार भी धनुष और आनंद एल राय का ये कोलेबोरेशन हिट हाता दिख रहा है। तेरे इश्क में फिल्म ने पहले 16 करोड़ रुपयों का कलेक्श किया है। इसके बाद दूसरे दिन 17 करोड़ रुपये कमाए हैं। सेकनिल्क के आंकड़ों की मानें तो अब तक फिल्म ने 3 दिनों में 39 करोड़ रुपयों से ज्यादा की कमाई कर ली है। अब देखना होगा कि वीकेंड के बाद इस फिल्म का सिनेमाघरों में क्या हाल रहता है। लेकिन फिल्म को लेकर दिख रही लोगों की दीवानगी इस बात की ओर इशारा कर रही है कि फिल्म हिट होने वाली है।

क्या है फिल्म की कहानी?

फिल्म की कहानी एक रोमांटिक लवस्टोरी है जिसमें धनुष और कृति सेनन ने पर्दे पर रोमांस किया है। दोनों का ये रोमांस लोगों को पसंद आ रहा है और ट्रेलर के बाद से ही इसकी चर्चा हो रही थी। फिल्म की कहानी कोई नई नहीं है बल्कि आइडिया बहुत पुराना है। कहानी में शंकर (धनुष) और मुक्ति (कृति सेनन) प्यार में पड़ जाते हैं। शंकर जहां गरीब घर का एक बेहद हिंसक प्रवत्ति का लड़का है तो वहीं मुक्ति एक अमीर घराने की लड़की है। दोनों के बीच प्यार हो जाता है लेकिन मुक्कमल नहीं हो पाता। प्यार के चक्कर में शंकर काफी दुख झेलता है और कहानी इंटेस हो जाती है। लोगों ने फिल्म की तारीफ की है। अब देखना होगा कि क्या ये फिल्म आने वाले दिनों में मेकर्स को खुश कर पाती है या नहीं।

खेल-समाचार

ट्रीसा-जॉली और गायत्री गोपीचंद ने महिला डबल्स का खिताब जीता

नई दिल्ली,30 नवम्बर 2025। ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की भारतीय जोड़ी ने रविवार को लखनऊ में सैयद मोदी इंटरनेशनल में जापान की माई तनाबे और काहो ओसावा को हराकर महिला डबल्स का खिताब जीता। जॉली और गोपीचंद को जापानी जोड़ी ने काफी दूर तक ले जाया,लेकिन तनाबे और ओसावा पर 17-21, 21-13, 21-15 से जीत हासिल करके जीत हासिल की। नेहाल वढेरा को उम्मीद है कि उन्हें भारत से बुलाया जाएगा और वह श्रेयस अय्यर के साथ खेलने के लिए उत्साहित हैं ।जॉली और गायत्री ने फाइनल मुकाबले से पहले इवेंट के सेमीफाइनल में मलेशियाई जोड़ी कारमेन टिंग और ओंग शिन यी को 21-11, 21-15 से हराया, जिसे भारतीय आखिरकार जीतने में कामयाब रहे। हालांकि, श्रीकांत किदांबी पुरुष एकल के फाइनल में हांगकांग के जेसन गुनवान से 16-21, 21-8, 20-22 से हार गए।

फ्लेमेंगो को कोपा लिबर्टाडोरेस ट्रॉफी दिलाया

पेरू,30 नवम्बर 2025। जुवेंटस के पूर्व डिफेंडर डैनिलो दा सिल्वा ने दूसरे हाफ में गोल किया और फ्लेमेंगो ने पाल्मेरास को 1-0 से हराकर कोपा लिबर्टाडोरेस फाइनल जीत लिया। डैनिलो, जिन्होंने रियल मैड्रिड और मैनचेस्टर सिटी के साथ यूरोप में भी समय बिताया, ने 67वें मिनट में हेडर से गोल किया।

यूरोप में 14 सीज़न के करियर के बाद इस साल रियो डी जनेरियो क्लब में शामिल हुए डैनिलो ने कहा, मैंने अपनी ज़िंदगी की टीम के लिए गोल किया।मुझे पता था कि हमारे पास एक सेट-पीस मौका होगा और मैं इसका फायदा उठाने में कामयाब रहा। डैनिलो, कोपा लिबर्टाडोरेस और चैंपियंस लीग दोनों दो बार जीतने वाले पहले खिलाड़ी बन गए। 34 साल के डिफेंडर ने कहा, वे सभी बहुत मुश्किल हैं। मुझे पिछले वाले ज़्यादा याद नहीं हैं, लेकिन यह वाला बहुत मुश्किल रहा है। उन्होंने 2011 में सैंटोस के साथ लिबर्टाडोरेस जीता था (पेनारोल के खिलाफ फाइनल के दूसरे लेग में भी गोल किया था) और 2016 और 2017 में रियल मैड्रिड के साथ चैंपियंस लीग जीती थी। मिडफील्डर जोर्जिन्हो, जिन्होंने 2021 में चेल्सी के साथ चैंपियंस लीग जीती थी, उन 18 खिलाड़ियों की लिस्ट में शामिल हो गए हैं जिन्होंने दोनों टूर्नामेंट जीते हैं।

इंटर मियामी पहली बार एमएलएस के फाइनल में पहुंचा

न्यूयॉर्क सिटी को 5-1 से हराया, कार्लोस अल्काराज मैच देखने स्टेडियम पहुंचे

मियामी,30 नवम्बर 2025। इंटर मियामी ने पहली बार मेजर लीग सॉकर कप के फाइनल में जगह बना ली। लियोनेल मेसी की कप्तानी में टीम ने शनिवार को ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस फाइनल में न्यूयॉर्क सिटी एफसी को 5-1 से हरा कर खिताब जीता। टीम इस जीत के साथ ही एमएलएस के फाइनल में जगह बना ली। ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस फाइनल के इस मुकाबले में तदेओ अलेंदे ने शानदार हैट्रिक लगाई, जबकि मातेओ सिल्वेत्ती और टेलास्को

सेगोविया ने एक-एक गोल दागा। वर्ल्ड नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज भी ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस का फाइनल मुकाबला देखने स्टेडियम पहुंचे।

मेसी के सबसे ज्यादा असिस्ट

इंटर मियामी की इस जीत में मेसी के हमवतन और अर्जेंटीना टीम के साथी तादेओ अलेंदे का सबसे बड़ा योगदान रहा। अलेंदे बेहतरीन फॉर्म में दिखे और उन्होंने शानदार हैट्रिक लगाकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई।

आठ बार के बैलन डी ओर विजेता मेसी ने भी इस मुकाबले में एक उपलब्धि हासिल की। मेसी के क्लब और नेशनल टीम को मिलाकर अब कुल 405 असिस्ट हो गए हैं, जो फुटबॉल के इतिहास में किसी भी खिलाड़ी द्वारा किए गए सबसे ज्यादा असिस्ट हैं।

एलए गैलेक्सी सबसे सफल टीम

एमएलएस की सबसे सफल टीम एलए गैलेक्सी है, जिसने 2024 तक रिकॉर्ड छह एमएलएस कप खिताब जीते हैं। चार खिताब के साथ डीसी यूनाइटेड के साथ दूसरे नंबर पर है। कोलंबस क्रू ने तीन टाइटल जीते हैं।

हर्षित राणा ने पहले ही ओवर में कर दी सबकी बोलती बंद...

एक के बाद एक दो बल्लेबाजों को किया साफ, फिर दिखाया भयंकर गुस्सा

नई दिल्ली,30 नवम्बर 2025। हर्षित राणा ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ कमाल की गेंदबाजी दिखाई। उन्होंने अपने पहले ही ओवर में साउथ अफ्रीका को एक के बाद एक दो झटके दे दिए।

विराट कोहली ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ कमाल का शतक ठोका। अपनी वापसी पर विराट ने 120 गेंद पर 135 रन की पारी खेली। इस पारी के दम पर टीम इंडिया ने बोर्ड पर 349 रन टांग दिए। जिसके बाद जब साउथ अफ्रीका की टीम बैटिंग करने उतरी तो उसे दूसरे ही ओवर में हर्षित राणा ने हिलाकर रख दिया।

हर्षित राणा का कमाल

रांची में खेले जा रहे पहले वनडे

मैच में भारतीय तेज गेंदबाज हर्षित राणा ने अपने पहले ही ओवर में दक्षिण अफ्रीका के दो बड़े विकेट झटक कर सबको चौंका दिया। उन्होंने ryan रिकेल्टन और क्विंटन डी कॉक को आउट किया। कप्तान केएल राहुल ने दूसरे ओवर में हर्षित को गेंदबाजी सौंपी और उन्होंने पहली ही गेंद पर ryan रिकेल्टन को बोल्ड कर दिया।

हर्षित की एक तेज निपबैकर गेंद रिकेल्टन के बल्ले का किनारा लेने में नाकाम रही और सीधे मिडिल स्टंप से जा टकराई। रिकेल्टन खाता खोले बिना (गोल्डन डक) आउट हुए। इसके बाद, ओवर की तीसरी गेंद पर हर्षित ने क्विंटन डी कॉक को भी चलता किया। डी कॉक सिर्फ 2 गेंद खेलकर बिना खाता खोले (2-बॉल डक) पवेलियन लौटे। हर्षित ने डी कॉक को ऑफ स्टंप के बाहर फुल लेंथ गेंद डाली, जिसे डी कॉक ड्राइव करने के लिए आगे बढ़े लेकिन गेंद उनके बल्ले का किनारा लेकर सीधे विकेटकीपर केएल राहुल के हाथों में चली गई।

विराट कोहली का शतक

इससे पहले दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करते हुए शानदार शतक जड़ा। कोहली ने मैच की पहली गेंद से ही आक्रामक रुख अपनाया और दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों पर दबाव बनाया। रोहित शर्मा के साथ मिलकर उन्होंने एक मजबूत साझेदारी की। रोहित के आउट होने के बाद भी कोहली नहीं रुके और वनडे क्रिकेट में अपना 52वां शतक पूरा किया। उन्होंने 120 गेंदों पर 11 चौकों और 7 छक्कों की मदद से 135 रनों की सनसनीखेज पारी खेली।

पूसित ने अंतिम होल बर्डी के साथ भारत क्लासिक जीता

बैसोया10 अंडर के स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर रहे...

अहमदाबाद,30 नवम्बर 2025। थाईलैंड के पूसित सुपुप्रमाई ने रविवार को यहां केंसविले गोल्फ रिजॉर्ट में कोरियाई वूयंग चो को एक शॉट से हराकर 500,000 अमेरिकी डॉलर की भारत क्लासिक गुजरात प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। पूसित (69) ने दिन के

18वें और आखिरी होल पर बर्डी लगाकर वूयंग चो (65) को पीछे छोड़ दिया, जबकि सचिन बैसोया ने केंसविले गोल्फ रिज़ॉर्ट में 10 अंडर 62 का स्कोर बनाकर धमाल मचा दिया,जिसमें दो शानदार बर्डी रन शामिल थे - एक लगातार छह और दूसरी लगातार चार। एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, आखिरी दिन उनके शानदार प्रदर्शन ने उन्हें एशियाई टूर और इंडियन गोल्फ प्रीमियर लीग द्वारा सह-स्वीकृत इस प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ भारतीय फिनिशर के रूप में संयुक्त रूप से तीसरा स्थान दिलाया। पूसित ने 69 का स्कोर बनाकर एशियाई टूर में अपनी पहली जीत दर्ज की और टूर्नामेंट में उनका कुल स्कोर 18 अंडर 270 रहा, जबकि चो (65) 17 अंडर 271 के स्कोर के साथ एक शॉट पीछे रहे। इस जीत से पूसित को एशियाई टूर कार्ड भी मिल गया। आईजीपीएल टूर के नियमित खिलाड़ी बैसोया, जो अभी भी टूर पर अपनी पहली जीत की तलाश में हैं, ओवरनाइट लीडर जैज़ जेनवाटननॉन्ड, पैनुफोल पिटयारत और एकफारित वू (सभी थाईलैंड के) के साथ 15-अंडर पर बराबरी पर थे। हालाँकि भारतीयों को घरेलू मैदान पर जीत नहीं मिली, लेकिन यह उनके लिए एक शानदार सप्ताह रहा, क्योंकि उनमें से चार शीर्ष-10 में और कुल आठ शीर्ष-20 में रहे।

डीजीपी-आईजी कॉन्फ्रेंस...भगोड़ों को भारत लाने पर बनी स्ट्रैटजी

एआई और डेटा-ड्रिवन सिस्टम से चलेगी पुलिसिंग,महिला सुरक्षा के लिए देशभर में बने एक प्लेटफॉर्म : पीएम मोदी

रायपुर,30 नवम्बर 2025। रायपुर में 60वीं ऑल इंडिया डीजीपी-आईजी कॉन्फ्रेंस खत्म हुई। इस दौरान पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि यह कॉन्फ्रेंस देश की सिक्योरिटी स्ट्रैटजी को बदलने के लिए एक प्लेटफॉर्म के तौर पर काम करती है। पुलिस को अब जनता और युवाओं के बीच भरोसे की एक नई इमेज बनानी होगी। पीएम ने कहा कि महिलाओं के खिलाफ क्राइम को रोकने के लिए डायल 112 जैसा एक देशव्यापी प्लेटफॉर्म बनाया जाना चाहिए। देश में भविष्य की पुलिसिंग AI,फोरेंसिक, NATGRID और डेटा-ड्रिवन सिस्टम से चलेगी। साथ ही भगोड़ों को विदेश से भारत लाने पर भी रणनीति बनी। उन्होंने आतंकवाद,ड्रग्स का गलत इस्तेमाल, साइबर क्राइम और महिलाओं की सेफ्टी जैसे मुद्दों पर एक तेज और को-ऑर्डिनेटेड स्ट्रैटजी की जरूरत पर भी जोर दिया। साथ ही कहा कि विजन 2047 की तैयारी में पुलिसिंग को एकाउंटेबल, सेंसिटिव और मॉडर्न बनाने की जरूरत है। कॉन्फ्रेंस में खास सेवा के लिए प्रेसिडेंट पुलिस मेडल और शहरी पुलिस सुधारों के लिए अवॉर्ड भी दिए गए। कॉन्फ्रेंस खत्म होने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने अलग-अलग स्कूलों के 30 छात्र-छात्राओं से मुलाकात की। बच्चों से कॅरियर और परीक्षा को लेकर चर्चा की।

विदेश से भगोड़ों को भारत लाने पर चर्चा

कॉन्फ्रेंस के दूसरे दिन विदेश में छिपे भारतीय भगोड़ों को वापस लाने के रोडमैप पर चर्चा की गई। इसमें कई बड़े नामों का उल्लेख किया गया। फिलहाल, भारत की 47 देशों के साथ प्रत्यर्पण संधि और 11 देशों के साथ प्रत्यर्पण व्यवस्था (एग्रीमेंट) है। इस प्रक्रिया का नोडल विभाग गृह मंत्रालय है। केंद्रीय एजेंसियों और राज्यों की पुलिस को भगोड़ों की वापसी के लिए ठोस रोडमैप तैयार करने के निर्देश दिए गए। चर्चा में बताया गया कि छत्तीसगढ़ के 4 भगोड़े ऐसे हैं, जिनके खिलाफ इंटरपोल ने रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया है। इनमें महादेव सट्टा ऐप के प्रमोटर सौरभ चंद्राकर, रवि उप्पल, शुभम सोनी और शराब घोटाले का फरार आरोपी विकास अग्रवाल उर्फ सिब्बू शामिल है। चारों के दुबई में छिपे होने की चर्चाएं हैं।

मोदी ने इंटेलिजेंस ब्यूरो के अफसरों को प्रेसिडेंट पुलिस मेडल से किया सम्मानित

तीन दिन की इस कॉन्फ्रेंस की थीम 'विकसित भारतः सिक्योरिटी डाइमेंशन्स' है। प्रधानमंत्री ने प्रोफेशनलिज़्म, सेंसिटिविटी और रिस्पॉन्सिवनेस को बढ़ाकर, खासकर युवाओं के बीच पुलिस के बारे में लोगों की सोच बदलने की तुरंत ज़रूरत पर ज़ोर दिया। उन्होंने अर्बन पुलिसिंग को मज़बूत करने, टूरिस्ट पुलिस में नई जान डालने और नए बनाए गए भारतीय न्याय संहिता,भारतीय साक्ष्य अधिनियम और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के बारे में लोगों में जागरूकता बढ़ाने की ज़रूरत पर ज़ोर दिया,जो पुराने ज़माने के क्रिमिनल कानूनों की जगह लेंगे। उन्होंने यूनिवर्सिटी और एकेडमिक संस्थानों को पुलिस जांच में फोरेंसिक के इस्तेमाल पर केस स्टडी करने के लिए बढ़ावा देने की अपील की,यह देखते हुए कि फोरेंसिक का बेहतर इस्तेमाल क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम को और मज़बूत करेगा। उन्होंने बैन किए गए संगठनों की रेगुलर मॉनिटरिंग के लिए सिस्टम बनाने,लेफ्ट विंग एक्सट्रीमिज़्म से मुक्त इलाकों का पूरा विकास पक्का करने, और कोस्टल सिक्योरिटी को मज़बूत करने के लिए नए मॉडल अपनाने की अहमियत दोहराई। प्रधानमंत्री ने इस बात पर ज़ोर दिया कि ड्रग्स के गलत इस्तेमाल से निपटने के लिए पूरी सरकार का नज़रिया ज़रूरी है, जिसमें एनफोर्समेंट,रिहैबिलिटेशन और कम्युनिटी लेवल पर दखल देना शामिल हो। कॉन्फ्रेंस में नेशनल सिक्योरिटी के कई मामलों पर गहराई से बातचीत हुई। विज़न 2047 के लिए पुलिसिंग के लॉन्ग-टर्म रोडमैप,काउंटर-टेररिज़्म और काउंटर-रेडिकलाइजेशन में उभरते ट्रेंड्स,महिलाओं की सुरक्षा बढ़ाने के लिए टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल,विदेश में मौजूद भारतीय भगोड़ों को वापस लाने की स्ट्रैटेजी, और असरदार जांच और मुकदमा चलाने के लिए फोरेंसिक क्षमताओं को मजबूत करने पर चर्चा हुई। प्रधानमंत्री ने मजबूत तैयारी और कोऑर्डिनेशन की जरूरत पर जोर दिया, और पुलिस चीफ से साइक्लोन, बाढ़ और दूसरी प्राकृतिक इमरजेंसी,जिसमें साइक्लोन दितवाह की मौजूदा स्थिति भी शामिल है, को कवर करने वाले असरदार डिजास्टर मैनेजमेंट के लिए मैकेनिज्म को मजबूत करने का आग्रह किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ऐसी घटनाओं के दौरान जान बचाने और कम से कम रुकावट सुनिश्चित करने के लिए प्रोएक्टिव प्लानिंग, रियल-टाइम कोऑर्डिनेशन, तुरंत रिस्पॉन्स, और पूरी सरकार का अप्रोच जरूरी है।

मुख्यमंत्री साय ने सुनी 'मन की बात' की 128 वीं कड़ी

मन की बात सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं यह देश की सामूहिक चेतना का बन गया है उत्सव : सीएम साय

रायपुर,30 नवम्बर 2025। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की 128वीं कड़ी को सुना और इसे अत्यंत प्रेरणादायी बताया। उन्होंने कहा कि 'मन की बात' देश की सामूहिक चेतना का उत्सव बन चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक अभिभावक की तरह देश की बातों को देशवासियों के सामने रखते हैं और हर माह राष्ट्र को प्रेरणादायक संदेश देते हैं। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 'मन की बात' के माध्यम से देश के कोने-कोने में हो रहे नवाचारों, जनभागीदारी और उत्कृष्ट प्रयासों को पहचान दिलाते हैं, जिससे राष्ट्र निर्माण में लगे समर्पित लोगों को सम्मान प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि आज के कार्यक्रम में प्रधानमंत्री द्वारा खाद्यान्न उत्पादन में रिकॉर्ड बढ़ोतरी, विभिन्न राज्यों में शहद प्रसंस्करण की उन्नत विधियां, शहद उत्पादन में वृद्धि, नौसेना

सशक्तिकरण,नेवल म्यूजियम,नेचर फॉर्मिंग के महत्व,तथा सऊदी अरब में पहली बार सार्वजनिक मंच पर गीता की प्रस्तुति और लातविया सहित कई देशों में आयोजित गीता महोत्सवों के भव्य आयोजनों की प्रशंसा हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि नेचर फॉर्मिंग के लिए छत्तीसगढ़ में अपार संभावनाएं हैं और यहां के किसान व युवा उद्यमी इस दिशा में उल्लेखनीय कार्य कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि देश के खाद्यान्न उत्पादन में वृद्धि हुई है और इसमें छत्तीसगढ़ का योगदान महत्वपूर्ण रहा है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि आज के 'मन की बात' में प्रधानमंत्री द्वारा साझा की गई उपयोगी जानकारियाँ अत्यंत प्रेरक हैं। प्रधानमंत्री ने स्पेस टेक्नोलॉजी में जेन-जी युवाओं द्वारा मंगल ग्रह जैसी परिस्थितियों में ड्रोन परीक्षण,असफल चंद्रयान-2 से सफल चंद्रयान-3 की प्रेरणादायी कहानी, महिला खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन,कुरुक्षेत्र में आयोजित गीता महोत्सव,कुरुक्षेत्र में ही महाभारत आधारित 3डी लाइट एवं साउंड म्यूज़ियम,राष्ट्र को समर्पित स्वदेशी डिज़ाइन वाले युद्धपोत 'आईएनएस माहे', भूटान यात्रा, बनारस में आयोजित होने वाले चौथे 'काशी तमिल संगमम', विंटर टूरिज्म एवं विंटर गेम्स, तथा 'वोकल फॉर लोकल' के तहत देशभर में चल रहे नवाचारों और पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों का उल्लेख किया।

छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में 37 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण,इनमें 27 पर था 65 लाख का इनाम

दंतेवाड़ा,30 नवम्बर 2025। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में डीवीसीएम, एसीएम कैडर के 37 नक्सलियों ने आज दंतेवाड़ा एसपी गौरव राय के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया है। इनमें 27 नक्सलियों पर 65 लाख रुपये का इनाम घोषित है। इनमें एक एसजेडसीएम कैडर की महिला नक्सली बड़े कैडर के नक्सली कमांडर कमलेश की गार्ड रही है। इन आत्मसमर्पित 37 में से 27 नक्सलियों में 8-8 लाख रुपये के इनामी 4 नक्सली शामिल हैं,जबकि 5 लाख का इनामी एक नक्सली और बाकी कई नक्सलियों पर 2 लाख, 01 लाख और 50 हजार तक के इनाम की घोषणा है। आत्मसमर्पित 37 नक्सलियों में कई ऐसे भी हैं, जो कुछ वर्ष पहले मिनपा में पुलिस पार्टी पर फायरिंग कर 26 जवानों के बलिदान और 20 जवानों को घायल कर हथियार एवं गोला बारुद लूटने की वारदात में शामिल थे।

दंतेवाड़ा एसपी गौरव राय ने बताया कि 'पूना मारगेम' पहल इलाके में शांति स्थापित करने की दिशा में एक प्रभावी अभियान बनकर उभरी है। इस मॉडल के जरिए सैकड़ों नक्सली हिंसा छोड़कर सामान्य जीवन अपनाने लगे हैं। उन्होने कहा कि आत्मसमर्पण करने वाले सभी नक्सलियों को सरकार की पुनर्वास नीति के तहत तुरंत 50-50 हजार रुपये की सहायता दी जाएगी।

बस्तर की धरती अब पुनः शांति, स्थिरता और विकास की ओर मजबूती से अग्रसर : मुख्यमंत्री साय

छत्तीसगढ़ सरकार की मानवीय, संवेदनशील और परिणाम-उन्मुख पुनर्वास नीति के तहत आज बस्तर में एक और महत्वपूर्ण सफलता दर्ज की गई। 'पूना मारगेम : पुनर्वास से पुनर्जीवन' पहल के अंतर्गत 37 माओवादियों ने हिंसा का मार्ग छोड़कर समाज की मुख्यधारा में शामिल होने का निर्णय लिया है। यह आत्मसमर्पण न केवल व्यक्तिगत पुनर्जीवन की दिशा में कदम है, बल्कि बस्तर क्षेत्र में स्थायी शांति और विकास की दिशा में एक मजबूत संकेत है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज के आत्मसमर्पण का स्वागत करते हुए कहा कि बस्तर की धरती अब पुनः शांति, स्थिरता और विकास की ओर मजबूती से अग्रसर है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में सुरक्षा बलों की सतत कार्रवाई, प्रशासनिक समन्वय और सरकार की पुनर्वास-केंद्रित नीतियों के कारण माओवादी हिंसा के खिलाफ निर्णायक सफलता प्राप्त हो रही है।

इसके साथ ही कौशल विकास प्रशिक्षण, कृषि भूमि और पुनर्वास से जुड़ी तमाम सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी, ताकि वे सम्मानजनक जीवन शुरू कर सकें। उन्होने बताया कि पिछले 23 महीनों में छत्तीसगढ़ में 2,200 से अधिक नक्सली आत्मसमर्पण कर चुके हैं। इनमें कई शीर्ष नक्सली भी शामिल हैं। अकेले दंतेवाड़ा में 20 महीनों में 508 नक्सली मुख्यधारा में लौट चुके हैं, जिनमें से 165 इनामी नक्सली थे। केंद्र सरकार ने मार्च 2026 तक देश को नक्सलवाद से मुक्त करने का संकल्प लिया है, लगातार हो रहे आत्मसमर्पण और सुरक्षाबलों की रणनीति से सरकार अपने लक्ष्य के करीब पहुंच रही है। इन नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण- 1. कुमली उर्फ अनिता मण्डावी, कंपनी नम्बर 6 सदस्य/एसजेडसीएम कमलेश की गार्ड, 08 लाख की इनामी। 2. गीता उर्फ लख्मी उर्फ लक्ष्मी मड़काम कंपनी नम्बर 10 सदस्य, 08 लाख की इनामी। 3. रंजन उर्फ सोमा मण्डावी- कंपनी नम्बर 6 सदस्य, 08 लाख का इनामी। 4. भीमा उर्फ जहाज कलमू- कंपनी नम्बर 2 सदस्य, 08 लाख का इनामी। 5. क्रांति उर्फ पोदिये गावड़े- एसीएम आमदई एरिया कमेटी, 05 लाख का इनामी। 6. कुमारी मुन्नी कर्मा- प्लाटून नम्बर 16 सदस्य, 02 लाख की इनामी।

मतदाता पुनरीक्षण अभियान के दौरान हंगामा,महिला ने बीएलओ को धक्का देकर की मारपीट,वीडियो वायरल

रायपुर,30 नवम्बर 2025। राजधानी रायपुर के काली माता वार्ड में मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान के दौरान एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। एक महिला द्वारा बूथ लेवल ऑफिसर के साथ गाली-गलौज, धक्का-मुक्की और मारपीट करने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। घटना ने प्रशासनिक कर्मचारियों की सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। मामले के अनुसार, महिला ने बीएलओ से एसआईआर फॉर्म घर तक पहुंचाने की मांग की थी। थोड़ी देरी होने पर वह अचानक भड़क उठी और मौके पर ही बीएलओ के साथ बदसलूकी शुरू कर दी। वायरल वीडियो में महिला को लगातार अपशब्द कहते,साड़ी खींचते और बीएलओ को धक्का देने की कोशिश करते देखा जा सकता है। वार्ड के लोगों ने भी इस कृत्य की निंदा की है। घटना के बाद प्रशासनिक कर्मचारियों में नाराजगी फैल गई है। उनका कहना है कि ऐसे अभियानों के दौरान बीएलओ और अन्य कर्मचारियों को सुरक्षा उपलब्ध कराना जरूरी है, ताकि इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके।

शादी में युवक को चाकू से काटकर मार डाला,6 आरोपियों ने चाचा-भतीजे को पीटा

बिलासपुर,30 नवम्बर 2025। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में शादी में दूल्हे के दोस्त के चाचा को 6 लड़कों ने चाकू से मार डाला। बताया जा रहा है कि डांस के दौरान हाथ टकराने को लेकर विवाद शुरू हुआ। बदमाशों ने पहले चाचा-भतीजे को जमकर पीटा, फिर चाचा की हत्या की। मामला बिल्हा थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक मृतक का नाम बड़कू उर्फ रामभजन यादव है, जो बरतोरी गांव का रहने वाला था। आरोपियों ने रामभजन यादव के बाएं सीने, माथे और आंख पर चाकू से हमला किया है। वारदात में 2 बालिग और 4 नाबालिग शामिल हैं।

तेज रफ्तार माजदा ने स्कूटी को मारी जबरदस्त टक्कर पिता के सामने पहिए तले कुचली गई बेटी,छाया मातम

बिलासपुर,30 नवम्बर 2025। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में शनिवार शाम एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा हो गया। चकरभाठा थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार वाहन ने स्कूटी को इतनी भीषण टक्कर मारी कि स्कूटी सवार युवती की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसके पिता गंभीर रूप से घायल हो गए। इलाके में घटना के बाद मातम फैल गया। सूत्रों के अनुसार, बिल्हा के रहने वाले जगदीश बग्गा अपनी बेटी कसक बग्गा के साथ बिलासपुर आए थे। दोनों शादी की खरीददारी के बाद स्कूटी से बिल्हा लौट रहे थे। शाम करीब 4:15 बजे जब वे परसदा स्थित एलसीआईटी कॉलेज के पास पहुंचे, तभी पीछे से आ रही तेज रफ्तार माजदा ने उनकी स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी।

बेटी की मौके पर ही मौत : टक्कर इतनी तेज थी कि स्कूटी सड़क पर दूर जा गिरी। इस दौरान कसक बग्गा वाहन के पहिए के नीचे आ गई, जिससे उसकी घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हादसा आंखों के सामने होते देख पिता जगदीश बग्गा सदमे में आ गए और उनके पैर में भी गंभीर चोटें आईं। हादसे के बाद आरोपी चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत 112 की मदद से घायल पिता को अस्पताल पहुँचाया, जहाँ उनका इलाज जारी है।

परिवार में छाया मातम

चकरभाठा टीआई उत्तम साहू ने बताया कि आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने पर दुर्घटना करने वाले वाहन की पहचान हुई। इसके बाद पुलिस ने माजदा चालक शेखर यदु (20) को गिरफ्तार कर वाहन जब्त कर लिया है। परिवार के अनुसार, दोनों रिश्तेदार की शादी की तैयारियों को लेकर खरीदी करने बिलासपुर आए थे। खुशी का माहौल कुछ ही पलों में मातम में बदल गया।

आईपीएस उमेश गुप्ता की नियुक्ति निरस्त!

अब सुनील शर्मा की जगह उदित पुष्कर संभालेंगे राज्यपाल के परिसहाय की जिम्मेदारी...

रायपुर,30 नवम्बर 2025। राज्यपाल के नए परिसहाय की तलाश अब खत्म हो गई है। सरकार ने 2021 बैच के आईपीएस अधिकारी उदित पुष्कर को राज्यपाल का नया परिसहाय नियुक्त करने का आदेश जारी कर दिया है। अब वे सुनील शर्मा की जगह पर यह जिम्मेदारी संभालेंगे। इससे पहले सरकार ने 2020 बैच के आईपीएस उमेश गुप्ता को एडीसी नियुक्त करने का निर्णय लिया था लेकिन बाद में उनकी नियुक्ति को निरस्त कर दिया गया। बताया जा रहा है कि उमेश गुप्ता ने इस पोस्टिंग में अपनी अनिच्छा जताई जिसके बाद सरकार ने नए अधिकारी की तलाश शुरू की। इसी प्रक्रिया में अब उदित पुष्कर को यह महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा गया है। नए परिसहाय की नियुक्ति के बाद राजभवन में प्रशासनिक कार्यों के संचालन में निरंतरता बनी रहने की उम्मीद है।

सपरिवार पीएम मोदी से मिले सीएम विष्णुदेव साय

रायपुर,30 नवम्बर 2025। सीएम विष्णुदेव साय सपरिवार पीएम मोदी से मिले। उन्होंने एक्स पोस्ट में बताया,'सत्पुरुषसंसर्गो हि कृतार्थयति जीवनम।' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हमारे परिवारजनों से हुई मुलाकात जीवन भर याद रहने वाला प्रेरक अनुभव है। अपने व्यस्त कार्यक्रम के बीच जिस आत्मीयता से मोदीजी ने सबका हाल-चाल पूछा, बच्चों से सहज होकर बात की और आशीर्वाद दिया,वह अविस्मरणीय है। माननीय प्रधानमंत्री के छत्तीसगढ़ प्रवास के दौरान परिवार की तीन पीढ़ियों को एक साथ उनके सान्निध्य में बैठने का अवसर मिला, यह हमारे लिए भावुक कर देने वाला क्षण था। इस गरिमामय और आत्मीय भेंट के लिए प्रधानमंत्री जी के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं।

कांग्रेस-नक्सल गठजोड़ राष्ट्रीय संप्रभुता के लिए खतरा, डीजीपी-आईजी कांफ्रेंस

के बीच बीजेपी ने 'एक्स' अकाउंट पर कांग्रेस नेतृत्व पर किया तीखा हमला

रायपुर,30 नवम्बर 2025। भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस और माओवादियों के बीच साठगांठ का आरोप लगाया और कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर 'नक्सली सहानुभूति' को बढ़ावा देने तथा इसे राष्ट्रीय संप्रभुता के लिए खतरा बताया। बता दें कि इस वक्त छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में डीजीपी-आईजी कांफ्रेंस चल रहा है। कांफ्रेंस में नक्सलवाद, उग्रवाद, आतंकवाद और राष्ट्रीय सुरक्षा पर मंथन हो रहा है। कांफ्रेंस में पीएम नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के साथ सुरक्षा बलों के प्रमुख मौजूद हैं। ऐसे में बीजेपी नक्सलवाद को लेकर कांग्रेस पर

हमलावर हो गई है। सत्तारूढ़ भाजपा ने अपने 'एक्स' से कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि भारत में नक्सलवाद लंबे समय तक जारी रहा और पूर्ववर्ती संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) सरकार के दूसरे कार्यकाल के दौरान मुख्य रूप से नीतिगत निष्क्रियता के कारण खतरनाक स्तर पर पहुंच गया। ऐसी स्थिति के पीछे एक महत्वपूर्ण कारक सोनिया गांधी के नेतृत्व वाली पूर्ववर्ती राष्ट्रीय सलाहकार परिषद में सदस्यों के रूप में शामिल किए गए शहरी नक्सलियों का प्रभाव था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार के तहत नक्सली प्रभाव में उल्लेखनीय गिरावट आने का दावा करते हुए भाजपा ने आरोप लगाया कि नक्सलियों के समर्थक कांग्रेस नेतृत्व में अभी भी भरे हुए हैं। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी नक्सलियों के प्रति सहानुभूति को बढ़ावा दे रहे हैं। अब समय आ गया है कि कांग्रेस को जवाबदेह ठहराया जाए और इस खतरनाक गठबंधन का पर्दाफाश किया जाए। भाजपा ने आरोप लगाया कि भारत में नक्सली उग्रवाद खतरनाक स्तर तक पहुंच गया है और यूपीए-दो सरकार के दौरान मुख्य रूप से नीतिगत निष्क्रियता के कारण यह लंबे समय तक जारी रहा।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2023-2025-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)